

श्वेता विज्ञान

“नजरिया साफ, ख़ब्बरें निष्पक्ष”

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

रोबोट संग
डांडिया खेलने
के लिए उमड़े
बच्चे और युवा!
रामोजी फिल्म
सिटी में
तकनीक और
परंपरा का
अनोखा संगम

2

सोमवार 12 अक्टूबर 2026 हैदराबाद से प्रकाशित WEB SITE : Shwetha.co.in संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी पुष्ट - 1। अंक - 27। वर्ष - 8। मूल्य - ३४

तमिलनाडु बड विजय ने मंच से ही च्ड मोदी से कीं 6 रिक्वेस्ट, जानें उनके सामने क्या-क्या मांगें रख दीं

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (रविवार को) तमिलनाडु के दौर पर गए हैं। चेन्नई में प्रधानमंत्री ने मेट्रो की नई लाइन का हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन किया। इसके साथ ही राज्य को 13 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की कई विकास परियोजनाओं की सौगात दी। प्रधानमंत्री मोदी ने चेन्नई मेट्रो के दूसरे फेज के तहत पुनर्मल्ली से वड्डापलानी के बीच 14.6 किलोमीटर लंबे मार्ग का उद्घाटन किया। इस दौरान, च्ड मोदी और सीएम विजय मेट्रो का सफर करते हुए भी नजर आए। फिर, च्ड विजय ने भाषण के दौरान च्ड मोदी से 6 रिक्वेस्ट कीं, आइए उनके बारे में जानते हैं। प्रधानमंत्री मोदी से च्ड विजय के अनुरोधचेन्नई मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के तीसरे फेज को जल्द मंजूरी दें। इस फेज में एयरपोर्ट से किलांबक्कम, पुनर्मल्ली से सुगुवरघनम और ज़वलंडमम से पट्टाविराम तक लगभग 66 किलोमीटर का हिस्सा शामिल है। इससे कनेक्टिविटी बेहतर होगी, पब्लिक ट्रांसपोर्ट मजबूत होगा और चेन्नई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में व्यापक कवरेज सुनिश्चित हलिक परियोजना साउथ के राज्यों में जल संसाधनों को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण मौका है। भारत सरकार इसे प्रॉयरेटि दे और इसे एक नेशनल प्रोजेक्ट के



तौर पर आगे बढ़ाए। तमिलनाडु में बेहतर सेवा देने के लिए भारत सरकार चेन्नई से कन्याकुमारी और चेन्नई से कोयंबटूर तक 1 पाएगा। प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु के वेस्ट और साउथ के हिस्सों के भविष्य के विकास और आर्थिक प्रगति को ध्यान में रखते हुए कोयंबटूर और मदुरै शहरों में मेट्रो रेल बनाने के प्रपोजल पर फिर से विचार करें। दोनों राज्यों के फायदे के लिए तमिलनाडु के होसुर से कर्नाटक के बोम्मासंद्रा तक इंटर-स्टेट मेट्रो रेल लाइन को मंजूरी दें। राज्यों के बीच पानी का समान बंटवारा सुनिश्चित करने के लिए नदियों को आपस में

जोड़ना जरूरी है। गोदावरी-कावेरी लिंक परियोजना साउथ के राज्यों में जल संसाधनों को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण मौका है। भारत सरकार इसे प्रॉयरेटि दे और इसे एक नेशनल प्रोजेक्ट के तौर पर आगे बढ़ाए। तमिलनाडु में बेहतर सेवा देने के लिए भारत सरकार चेन्नई से कन्याकुमारी और चेन्नई से कोयंबटूर तक हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को मंजूरी दें। इससे टूरिज्म सेक्टर को भी फायदा होगा।

योजना के तहत, केंद्र सरकार से तमिलनाडु को 5 हजार 110 करोड़ रुपये की राशि मिलनी बाकी है। प्रधानमंत्री मोदी, बिना किसी शर्त के यह राशि रिलीज करें।

राहुल गांधी बोले-‘सोमवार को हम चीफ जस्टिस सूर्यकांत से भी मिलेंगे और मांग करेंगे कि कानून के रखवाले आंखों पर पट्टी बांधकर नहीं बैठ सकते.’

नई दिल्ली: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने घोषणा की है कि ५.८.२५।। बेलीक 12 अक्टूबर को फिर से सड़कों पर उतरेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त आनंद कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सीज, पी के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों और महिलाओं के खिलाफ हिंसा का इस्तेमाल किया। एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में कांग्रेस सांसद ने प्रधान मंत्री को ‘मिस्टर इंडिया’ के अमरीश पुरी के प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्वी ‘मोर्गेन्सो’ के रूप में संदर्भित किया और आरोप लगाया कि सरकार युवाओं और छात्रों की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दिल्ली पुलिस पर ‘ठगी’ का सहारा लेने और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)-भाजपा कार्यकर्ताओं को महिलाओं और युवाओं के



खिलाफ हिंसा करने की अनुमति देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ‘अमित शाह की दिल्ली पुलिस न केवल खुद गुंडागर्दी पर उतर आई है, बल्कि आरएसएस-भाजपा के असली गुंडों को महिलाओं और युवाओं के खिलाफ हिंसा करने की खुली छूट और प्रोत्साहन भी दे रही है।’ उन्होंने कहा कि युवाओं को दबाने की सरकार की कोशिशों से उनका गुस्सा

और बढ़ेगा। राहुल ने कहा, ‘जैसा कि मैंने कहा था, ‘मोर्गेन्सो मोदी’ और उनकी सरकार जितना उन्हें दबाने की कोशिश करेगी, जेन जेड और छात्रों का गुस्सा उतना ही तेज होगा। अगले राउंड के विरोध प्रदर्शन का ऐलान करते हुए उन्होंने कहा, ‘सोमवार, 12 अक्टूबर को कांग्रेस, पूरा ५.८.२५।। अलायंस और देश के युवा एक बार फिर बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरेंगे। और इस बार भी, आवाज पूरे देश में गुंजेगी। पहले से कहीं ज्यादा जोरदार।’ अमित शाह पर निशाना साधते हुए राहुल ने कहा, ‘अमित शाह जितने चाहो उतने पुलिस सवाल ले आओ-10,000, 20,000, या 40,000, जितने चाहो बीजेपी-आरएसएस के गुंडे बुला लो। हम डरेंगे नहीं, हम पीछे नहीं हटेंगे, यह लड़ाई अब नहीं रुकेगी!’ गांधी ने यह भी कहा कि विपक्ष सोमवार को चीफ जस्टिस से मिलेगा और कथित हिंसा और प्रदर्शनकारियों

शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों को अवैध हिरासत में नहीं लिया जा सकता, मेट्रो, रेल और इंटरनेट सेवाएं बहाल हो

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रोटैस्ट कर रहे प्रोटैस्ट करने वालों पर सरकार की कार्यवाही के खिलाफ कई याचिकाओं पर रविवार को सुनवाई की। जस्टिस जॉयमाला बागची और बी. मोहना की बेंच ने दिल्ली पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स द्वारा प्रोटैस्ट करने वालों को हिरासत में लेने के खिलाफ याचिका, 130 और जानबूझकर ऑर्डर न मानने के आरोप में एक अवमानना ध्यायिका पर सुनवाई पर की। रविवार को एक स्पेशल सिटिंग में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि कानून के बनाए गए प्रोसीजर के सख्ती से पालन के अलावा किसी भी व्यक्ति को हिरासत में न लिया जाए और इस बात पर जोर दिया कि रोक वाले



इलाकों के बाहर शांतिपूर्ण, बिना हथियार के जमावड़े को मनाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाना चाहिए। बेंच ने निर्देश दिया कि मेट्रो और रेल सर्विस नॉर्मल तरीके से चलती रहें, जब तक कि पब्लिक ऑर्डर में गड़बड़ी की वजह से पाबंदियों की जरूरत न हो, जैसा कि सचिवान के आर्टिकल 19(2) के तहत सोचा गया है। लोगों के आने-जाने के

बारे में, बेंच ने निर्देश दिया कि ट्रैफिक नियमों के तहत शहर में ग्री मूवमेंट की इजाजत दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह हर जगह बैरिकेडिंग के पक्ष में नहीं है और निर्देश दिया कि कानून-व्यवस्था और ट्रैफिक की दूसरी स्थितियों को ध्यान में रखते हुए बैरिकेडिंग का तुरंत रिव्यू किया जाना चाहिए। बेंच ने यह भी निर्देश दिया कि इंटरनेट सर्विस में कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए। बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तृषार मेहता के इस भरोसे पर ध्यान दिया कि दिल्ली मेट्रो रेलवे पूरी तरह से चालू है और कल रात 10 बजे से सभी स्टेशन खुले हैं। मेहता ने बेंच को यह भी भरोसा दिलाया कि ट्रेन सर्विस चालू है और इंटरनेट कनेक्टिविटी

सोमवार को CJI से मिलेंगे खरगे और राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष ने ब्क पर निशाना साधा



बैंगलुरु: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को केंद्र सरकार पर ‘वोट चोरी’ के लिए चुनाव आयोग की स्वायत्तता को कमजोर करने का आरोप लगाया। साथ ही खरगे ने घोषणा की कि वह और राहुल गांधी सोमवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश (श्री) सूर्यकांत से मिलेंगे। बैंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा कि दोनों नेताओं ने ऑफ को आधिकारिक रूप से पत्र लिखकर देश में लोकतंत्र की वर्तमान स्थिति के बारे में न्यायपालिका को बताने के लिए शाम 4:00 बजे से 5:00 बजे के बीच मिलने का समय मांगा है। उन्होंने कहा, ‘कल हम भारत के मुख्य न्यायाधीश से भी मिलने जा रहे हैं। मैंने एक पत्र लिखा है, और राहुल जी ने भी एक पत्र लिखा है। हमने शाम 4:00 से 5:00 बजे के बीच का समय तय किया है। हम उन्हें परिस्थितियों से अवगत कराएंगे, हम उनसे कुछ मांग

नहीं सकते। सिर्फ हाथ जोड़कर हम अपनी बात रखेंगे।’ खरगे ने मुख्य चुनाव आयुक्त (म्मे) ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा और उन पर साथी चुनाव आयुक्तों को दबाने और चुनाव आयोग को स्वतंत्र फैसले लेने से रो. करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया, ‘‘चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, यह स्वतंत्र संस्था है और इसे स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने नहीं दिया जा रहा है। चुनाव आयोग के दो सदस्यों ने खुलकर उजागर किया है कि आयोग किस तरह काम कर रहा है, उसमें किस प्रकार की अनियमितताएं हो रही हैं और आयोग के सदस्य खुद इस स्थिति को लेकर क्या महसूस कर रहे हैं। इसके बावजूद इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई।’ बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने दावा किया कि

सत्ताधारी पार्टी को चुनावी लाभ पहुंचाने के लिए संवैधानिक संस्था के साथ समझौता किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ‘‘यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि वह चाहते हैं कि ‘वोट चोरी’ जारी रहे, उन्होंने जो भी ‘वोट चोरी’ की है, उसी के बल पर उन्होंने केंद्र और राज्यों में सरकार बनाई है।’’ मुख्य चुनाव आयुक्त (म्मे) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और सेवा की शर्तों के बारे में 2023 में बनाए गए कानून को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए खरगे ने दावा किया कि अधिकारियों को बचाने के लिए बहुत अधिक संरक्षण दिया गया है। खरगे ने सवाल किया, ‘‘ऐसा माहौल तैयार करने के लिए मोदी जी ने 2023 में एक कानून बनाया, जिसके माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को कानूनी संरक्षण दिया गया, उन्हें ऐसी छूट दी गई, जो भारत के राष्ट्रपति या देश के मुख्य न्यायाधीश को भी प्राप्त नहीं है, लेकिन एक चुनाव आयुक्त को यह विशेष संरक्षण क्यों दिया गया?’’ कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ‘‘यह संरक्षण देने के बाद वोट चोरी, मूड और चुनावी घपले की यह पूरी प्रक्रिया शुरू की गई। ब्क चाहे कितनी भी गलतियां करें, उन्हें जीवनभर उन गलतियों के लिए जवाबदेही से छूट दे दी गई है। इसका सीधा अर्थ है कि यह जनता के वोट छीनने और लो. कतंत्र के साथ धोखाधड़ी करने की एक साजिश है। यही सब किया जा रहा है और हम इसके खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।’

चेन्नई को 13,000 करोड़ की सौगात, च्ड मोदी बोले- ‘‘सरकारें बदलीं, लेकिन तमिलनाडु के विकास का मेरा संकल्प नहीं’’

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेन्नई में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम कई पूरी हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं और नई परियोजनाओं की आधारशिला रख रहे हैं। कुछ परियोजनाएं रोजाना के सफर को आसान बनाएंगी तो कुछ उद्योग और व्यापार को मजबूत करेंगी। ये सभी मिलकर पूरे तमिलनाडु में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगी।

‘‘कई सीएम के साथ काम करने का मौका मिला। इस मौके पर पीएम मोदी ने तमिलनाडु के विभिन्न मुख्यमंत्रियों के साथ अपने कार्यकाल के अनुभव शेयर किए। उन्होंने कहा, ‘‘मुख्यमंत्री के रूप में मुझे करुणानिधि और जयललिता के साथ संवाद करने के कई अवसर मिले। प्रधानमंत्री बनने के बाद जयललिता, ओ. पन्नीरसेल्वम, ई. पत्तानीस्वामी और एम.के. स्टालिन के साथ काम करने का अवसर मिला। सरकारें बदलती रहीं, लेकिन तमिलनाडु के विकास और यहां की जनता की सेवा करने का मेरा संकल्प प्रामाणिकता।’’ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ‘‘आज तमिलनाडु में अर्बन डेवलपमेंट हमारी एक बड़ी प्राथमिकता है। मेरा हमेशा से ये मानना रहा है कि शहरीकरण एक चुनौती नहीं, बल्कि अवसर है और इसमें सार्वजनिक परिवहन की बहुत बड़ी भूमिका होती है। परिवहन अच्छा हो तो उससे लोगों का जीवन आसान बनता है।’’ चेन्नई मेट्रो के विस्तार का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में देश का मेट्रो नेटवर्क लगभग 250 किलोमीटर था, जो अब



में सेवा करने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों के इस सफर में लोकतंत्र की दो प्रमुख शक्तियां- देश की जनता और सहक. 131 संघवाद में उनका विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह हमेशा इस मंत्र के साथ आगे बढ़े हैं कि राज्यों का विकास ही देश के विकास का आधार है। तमिलनाडु में अर्बन डेवलपमेंट प्राथमिकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ‘‘आज तमिलनाडु में अर्बन डेवलपमेंट हमारी एक बड़ी प्राथमिकता है। मेरा हमेशा से ये मानना रहा है कि शहरीकरण एक चुनौती नहीं, बल्कि अवसर है और इसमें सार्वजनिक परिवहन की बहुत बड़ी भूमिका होती है। परिवहन अच्छा हो तो उससे लोगों का जीवन आसान बनता है।’’ चेन्नई मेट्रो के विस्तार का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में देश का मेट्रो नेटवर्क लगभग 250 किलोमीटर था, जो अब

बढ़कर 1,100 किलोमीटर से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि चेन्नई मेट्रो के विस्तार से इस नेटवर्क में और वृद्धि होगी और यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधाएं मिलेंगी। बता दें कि चेन्नई में प्रधानमंत्री मोदी ने मेट्रो की नई लाइन का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने भारत के बंद. रगाहों की कार्यक्षमता में हुए सुधार. का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों में भारतीय बंदरगाह. की गति और दक्षता दोनों बेहतर हुई हैं। जहाजों के टर्नअराउंड टाइम यानी बंदरगाह पर उनके आने से लेकर रवाना होने तक लगने वाला समय आधा होने से निर्यात और व्यापार को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि बंदरगाहों की बेहतर कार्यप्रणाली के कारण भारत के उत्पाद अब वैश्विक बाजारों तक पहले की तुलना में अधिक तेजी से पहुंच पा रहे हैं।

नई दिल्ली : भारत में 2030 तक बाल विवाह समाप्त करने का लक्ष्य नजदीक आ रहा है, इसके बावजूद दुनिया की हर तीन में से एक बालिका नवु भारतीय है और देश में हर पांच में से एक लड़की की शादी 18 साल की उम्र से पहले ही हो जाती है, हालांकि, भारत में बाल विवाह की दर 1998 में 50 फीसदी से ज्यादा थी, जो अब घटकर लगभग 20 रह गई है, फिर भी अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि राष्ट्रीय औसत को देखकर गुमराह नहीं होना चाहिए, क्योंकि कुछ राज्यों में यह समस्या कहीं अधिक गंभीर है, यूनिसेफ और सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, देश में होने वाले कुल बाल विवाह में से आधे से ज्यादा पांच राज्यों— उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में होते हैं, आंकड़ों के अनुसार, बाल विवाह पर लगाम लगाने के मामले में केरल और लक्षद्वीप अच्छी प्रगति कर रहे हैं

यूनिसेफ की भारत प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्री ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'इस साल अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस की थीम— 'बाल विवाह खत्म करें और लड़कियों के अधिकारों में निवेश करें—' किशोरावस्था के दौरान लगातार निवेश करने का आह्वान करती है, ताकि लड़कियां स्कूल न छोड़ें, स्वस्थ एवं सुरक्षित रहें, उनमें कौशल विकास हो, वे अवसरों का लाभ उठाएं और खुद के जीवन को प्रभावित करने वाले फैसलों में अपना पक्ष रख सकें'.

उन्होंने कहा, 'भारत ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, बाल सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में लगातार प्रयासों के जरिये लड़कियों के अधिकारों को आगे बढ़ाने और बाल विवाह में कमी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है, इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने के साथ-साथ लड़कियों की आवाज, निर्णय लेने की क्षमता और भागीदारी को मजबूत करने से यह प्रगति और तेज होगी'.

सिंथिया ने कहा, 'लड़कियां सिर्फ विकास की लक्ष्य नहीं, बल्कि उसमें सक्रिय रूप से योगदान देने वाली भी हैं, जब लड़कियों के पास आत्मविश्वास, हुनर छ और आगे बढ़कर नेतृत्व करने के लिए सुरक्षित माहौल होता है, तो वे मजबूत परिवार, समुदाय और समाज के निर्माण में मदद करती हैं'.

यूनिसेफ के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में 20-24 साल के आयु वर्ग में शामिल 22.4 करोड़ से ज्यादा युवतियों की शादी 17 साल की उम्र से पहले हो गई थी, आंकड़ों के अनुसार, इनमें से नौ करोड़ से ज्यादा युवतियों का विवाह 15 साल से कम उम्र में ही करा दिया गया था, यूनिसेफ का अनुमान है कि दुनिया में हर तीन सेकंड में एक लड़की की शादी होती है और ऐसी शादियों की संख्या हर दिन 1,500 तक पहुंच सकती है, 'क्राइ-चाइल्ड राइट्स एंड यू' की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्राज्ञा मारवाह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि भारत ने इस समस्या से निपटने में काफी प्रगति की है, लेकिन बाल विवाह को पूरी तरह खत्म करने में अब भी काफी समय लगेगा, उन्होंने कहा, 'भारत में बाल विवाह के मामलों में कमी आना अच्छी बात है, लेकिन देश में हर पांच में से एक लड़की की शादी अब भी बालिग होने से पहले कर दी जाती है, इससे भी अहम बात यह है कि राष्ट्रीय औसत के कारण



नवरात्र के पहले दिन आराधना मिश्रा ने संभाली यूपी कांग्रेस की कमान, बोलीं— पहला लक्ष्य 2027 में उत्तर प्रदेश में सरकार बनाना

लखनऊ: उत्तर प्रदेश कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा नवरात्रि के पहले दिन शुभ मौके पर रविवार को पदभार ग्रहण किया। पितृपक्ष के दौरान कांग्रेस आलाकमान ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को हटाकर उत्तर प्रदेश की कमान आराधना मिश्रा 'मोना' के हाथों में सौंप दी थी, जिसके चलते आराधना ने नवरात्रि में पदभार ग्रहण करने का फैसला लिया। वहीं नई प्रदेश अध्यक्ष के पदभार ग्रहण करने के मौके पर पीसीसी दफ्तर को झंडा और बैनरों से सजा दिया गया। इस मौके पर प्रदेशभर में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी कार्यालय में जुटे। वहीं आराधना मिश्रा 'मोना' ने पीसीसी चीफ का पद संभालने के बाद कहा, 'मेरी पहली जिम्मेदारी है कि मैं अपने पार्टी के कार्यकर्ताओं के विश्वास को और नेतृत्व के भरोसे को पूरा कर सकूँ और 2027 जो हमारा लक्ष्य है, उसमें सरकार बनाकर हम उत्तर प्रदेश की नई दिशा इस देश के लिए तय करें। इंडिया गठबंधन को और मजबूत करना ही हमारा लक्ष्य है... सबसे पहले हमारे सामने जो चुनौती है वो यह है कि देश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए राहुल जी और प्रियंका जी जो संघर्ष कर रहे हैं, उसको ताकत देना। 'गुटवाजी की मारी कांग्रेस पार्टी में आराधना मिश्रा के पदभार ग्रहण करने के दिन भी ये सिलसिला नहीं थमा, कांग्रेस मुख्यालय पर निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना के समर्थन के साथ दिखे। पूरे कार्यालय को झंडा और बैनर से पाट दिया गया है। एक बड़ी सी होर्डिंग को मुख्यालय परिसर में पहले से ही लगी थी उसमें बदलाव करते हुए अब नई होर्डिंग लगा दी गई है। नए लगे होर्डिंग में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, सांसद कन्हैयालाल शर्मा, सांसद इमरान मसूद, सांसद उज्जवल रमण सिंह, सांसद राकेश राठौर, सांसद तनुज पुनिया की तस्वीर लगी है। इसके साथ ही विधायक के रूप में दोनों विधायकों आराधना मिश्रा मोना और वीरेंद्र



वीरेंद्र की तस्वीर लगाई गई है। अब आराधना मिश्रा विधायक के साथ ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी बन गई हैं, साथ ही वीरेंद्र वीधरी अब नेता विधान मंडल दल बना दिए गए। कौनों में मिडल हो गई। आरोप है कि अजय राय के पीएस अमित पाठक ने महिला कांग्रेस मध्य जोन की अध्यक्ष ममता वीधरी पर कमेंट किया और इसके बाद कहा, 'सुनी शुरू हो गई, देखते ही देखते दोनों नेताओं के समर्थक आपस में गिड़ भी गए। विधायक आराधना मिश्रा 'मोना' रविवार से आधिकारिक तौर पर यूपी कांग्रेस की अध्यक्ष बन गईं। निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कार्यालय पहुंचकर अपना पदभार आराधना मिश्रा को सौंपा। इसके बाद कुर्सी पर आराधना मिश्रा बैठीं और प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कांग्रेस को यूपी में जमीन से शिखर तक ले जाने का संकल्प लिया। बता दें कि आराधना मोहसिना किदवाई, राजेंद्र कुमारी बाजपेई और रीता बहुगुणा जोशी के बाद चौथी महिला हैं, जो प्रदेश अध्यक्ष बनी हैं। कांग्रेस मुख्यालय का नजारा भी बदला

बदला सा दिखा। पूरे कार्यालय को झंडा और बैनर से पाट दिया गया है। एक बड़ी सी होर्डिंग जो मुख्यालय परिसर में पहले से ही लगी थी उसमें बदलाव करते हुए अब नई होर्डिंग लगा दी गई है। नए लगे होर्डिंग में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, सांसद कन्हैयालाल शर्मा, सांसद इमरान मसूद, सांसद उज्जवल रमण सिंह, सांसद राकेश राठौर, सांसद तनुज पुनिया की तस्वीर लगी है। इसके साथ ही विधायक के रूप में दोनों विधायकों आराधना मिश्रा मोना और वीरेंद्र वीधरी की तस्वीर लगाई गई है। अब आराधना मिश्रा विधायक के साथ ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी बन गई हैं, साथ ही वीरेंद्र वीधरी अब नेता विधान मंडल दल बना दिए गए हैं। एक तस्वीर कांग्रेस के यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम की भी लगी है। कुल मिलाकर इस होर्डिंग में 12 बड़े नेताओं की तस्वीरें लगाई गईं।

"परीक्षा के दिन रैलियों और जुलूसों की अनुमति न दें जिला प्रशासन",

संसदीय समिति ने सिफारिश की है कि अहम प्रतियोगी परीक्षाओं के दिन जिला प्रशासन को किसी भी रैली, जुलूस या जनसभा की अनुमति नहीं देनी चाहिए ताकि यातायात सुचारु रहे। कानून-व्यवस्था के पर्वोत्सव इंतजाम पहले से ही और किसी भी परीक्षार्थी को बाहरी व्यवधानों का सामना न करना पड़े। राज्यसभा सदस्य मुकुल वासनिक की अध्यक्षता वाली शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी संसदीय समिति ने शुक्रवार को राज्यसभा के सभापति को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीई) में सुधार और उसे मजबूत बनाने से संबंधित रिपोर्ट में यह सिफारिश की। यह रिपोर्ट राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक होने के विवाद और एनटीई में कथित प्रशासनिक खामियां रैलियों, जुलूसों से परीक्षार्थियों को पहुंचने में हो सकती है। इस विवाद के कारण देशभर में छात्रों ने प्रदर्शन किए थे। अतः तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मप्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। रिपोर्ट में कहा गया है, 'परीक्षा के दिन रैलियों, जुलूसों या बड़ी सभाओं को कारण परीक्षार्थियों को पहुंचने में देरी हो सकती है। वे पहुंचने के निर्धारित समय से चूक सकते हैं। समिति सिफारिश करती है कि लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 में संशोधन कर जिला प्रशासन को परीक्षा के दिन किसी भी रैली, जुलूस या अन्य जनसभा की अनुमति नहीं देने का निर्देश दिया जाए। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि यातायात सुचारु रखने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम पहले से हो, ताकि किसी भी परीक्षार्थी को टाले जा सकने वाले बाहरी व्यवधान का सामना न करना पड़े।'



पूरे साल की मेहनत हो जाती है बेकार अब तक एनटीई ने परामर्श जारी कर छात्रों से परीक्षा केंद्रों पर पहले पहुंचने और परीक्षा के दिन केंद्रों पर कुछ मिनट की देरी से पहुंचने वाले परीक्षार्थियों को अक्सर प्रवेश ही नहीं दिया जाता। इससे उनकी पूरे साल की मेहनत उसी के अनुसार अपनी व्यवस्था करने को कहा है। संसदीय समिति ने प्रक्रियागत मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि परीक्षा केंद्रों पर कुछ मिनट की देरी से पहुंचने वाले परीक्षार्थियों को अक्सर प्रवेश ही नहीं दिया जाता। इससे उनकी पूरे साल की मेहनत बेकार हो जाती

है। बचे हुए समय में परीक्षा देने की हो अनुमति रिपोर्ट में कहा गया है, 'समिति का मानना है कि कुछ कार्रवाइयों से परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र पर देर से पहुंच सकते हैं। समिति का विचार है कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए। इसके तहत छात्रों को देर से पहुंचने का कारण दर्ज करने वाले लिखित पत्र पर हस्ताक्षर कराने के बाद परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया जा सके। उन्हें केवल बचे हुए समय में परीक्षा देने की अनुमति हो और किसी भी परिस्थिति में अतिरिक्त समय नहीं दिया जाए।'

15 मिनट का अलग समय निर्धारित किया जाए समिति ने यह भी कहा कि परीक्षा के दौरान निरीक्षकों द्वारा हस्ताक्षर कराने और जांच संबंधी औपचारिकताएं पूरी करने से उन छात्रों का ध्यान भटकता है, जो पहले से ही समय के दबाव में परीक्षा दे रहे होते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'समिति का विचार है कि ऐसी औपचारिकताओं के लिए परीक्षा शुरू होने से पहले या समाप्त होने के बाद 15 मिनट का अलग समय निर्धारित किया जाए और परीक्षा की अवधि के बीच ये औपचारिकताएं पूरी न की जाए।' (भाषा के इनपुट के साथ)

सीएम योगी के बयान पर अखिलेश ने किया पलटवार, बोले—अयोध्या सीट पर हमारा पवन ही काफी

लखनऊ: समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर रविवार को गोमती नगर स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र पहुंचे। यहां पर उन्होंने जेपी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, उन्हें याद किया। जय प्रकाश नारायण की जयंती सप्ताह धूमधाम से मना रही है। इसी सिलसिले में अखिलेश यादव जेपीएनआईसी पहुंचे थे, यहां पर उन्होंने समाजवादी नेता को याद किया। इसके बाद उन्होंने संबोधन किया। अयोध्या सीट को लेकर मुख्यमंत्री योगी की तरफ से दिए गए बयान पर अखिलेश यादव ने कहा कि उस सीट पर हमारा पवन ही काफी है सप्ताह मुखिया अखिलेश यादव (टपकमव बमकपजय म्स्ट ठीतंज) उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, वैसे-वैसे वार-पलटवार का सिलसिला भी तेज हो गया है। एक दिन पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी



आदित्यनाथ ने अयोध्या विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने को लेकर अखिलेश यादव को ललकारा था। कहा था कि अयोध्या सीट पर मैं चुनाव लड़ने को तैयार हूँ, हिम्मत है तो अखिलेश यादव इस सीट से चुनाव लड़कर दिखाएँ, दोनों में मुकाबला हो जाए। पता चल जाएगा किसमें कितनी क्षमता है। मुख्यमंत्री के सीधे तौर पर दिए गए इस बयान को लेकर अब अखिलेश यादव भी पलटवार कर रहे हैं।

अखिलेश यादव ने जेपीएनआईसी पहुंचने के बाद कहा कि मुख्यमंत्री पहले अपना टिकट तो पक्का करें, उन्हें तो टिकट मांगना होता है, अपने आप लड़ नहीं सकते हैं। पहले टिकट लेकर आएँ, हम फिर बात करेंगे, उन्होंने कहा कि अयोध्या सीट पर मुख्यमंत्री के लिए पवन ही काफी है, हवा के झोंके में सब उड़ जाएंगे, उन्होंने कहा कि आप सभी को पता है की अयोध्या सीट पर सबसे पहले प्रत्याशी किसने घोषित किया? पवन पांडे हमारा पहले से ही घोषित प्रत्याशी है और अगर मुख्यमंत्री अयोध्या से लड़ना चाहते हैं तो पहले टिकट लेकर आएँ, फिर हम बताते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने से पहले तो वह भारतीय जनता पार्टी के सदस्य भी नहीं थे, काला चश्मा लगाकर मुख्यमंत्री बने पहुंच गए थे, ये तो सभी को पता ही है कि हाता किसे नहीं भाता।

लखीमपुर खीरी में शारदा का रौद्र रूपय कटान से नदी में समा गया काली माता का मंदिर, अब तक 4 धार्मिक स्थल जलमग्न



लखीमपुर खीरी: जिले के गोला तहसील क्षेत्र के कुरा सुल्तानपुर में शारदा नदी इन दिनों लगातार अपना रौद्र रूप दिखा रही है, नदी के किनारे तेजी से हो रहे कटान ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। सोमवार को काली माता मंदिर भी कटान की चपेट में आ गया। नदी की तेज धारा के सामने मंदिर ज्यादा देर टिक नहीं सका और देखते ही देखते शारदा नदी में समा गया। जल में समाया माता का मंदिर (टपकमव बमकपजय म्स्ट ठीतंज) ग्रामीणों ने बताया कि ये पहली बार नहीं है जब शारदा नदी ने किसी धार्मिक स्थल को निशाना बनाया हो। इससे पहले इसी गांव में करीब 500 साल पुराने वीर बाबा स्थान समेत 4 धार्मिक स्थान नदी में समा चुके हैं। धार्मिक स्थलों के नदी में समाने से ग्रामीणों में गहरी पीड़ा है, लोगों का कहना है कि जिन स्थानों से उनकी आस्था जुड़ी थी, आज वे नदी की तेज धाराओं में अपना अस्तित्व खो चुके हैं। कटान का असर केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, नदी की बढ़ती धारा कई परिवारों के घरों और सैकड़ों एकड़ खेतों को भी निगल चुकी है, खेतों में खड़ी फसल नदी में समाने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ग्रामीणों को अब डर सता रहा है कि यदि कटान इसी रफ्तार से जारी रहा, तो आने वाले दिनों में और घर, कृषि, भूमि इसकी जद में आ सकती है। एसडीएम युगांतर त्रिपाठी ने बताया कि शारदा नदी के कटान की स्थिति पर प्रशासन नजर बनाए हुए है, संबंधित अधिकारियों और राजस्व टीम को स्थिति का जायजा लेने और प्रभावित क्षेत्र की निगरानी करने के निर्देश दे दिए हैं। कटान से लोगों की स्थिति और नुकसान का भी आकलन कराया जा रहा है।

'अपराधियों में डर पैदा करे दिल्ली पुलिस': महिला सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी



नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली पुलिस पर बर्तन अपराधों को रोकने की चुनौती से निपटने के लिए जोर दिया, अदालत ने कहा कि अपराध होने के बाद अपराधियों को पकड़ना कोई समाधान नहीं है, सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस अधिकारियों को संभावित अपराधियों के मन में डर पैदा करना चाहिए और किसी भी शक पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। अदालत ने कहा, 'हमें निराश मत कीजिए, कृपया स्थिति को संभालिए! जिस भी महिला या लड़की के साथ छेड़छाड़ और बलात्कार होता है, वह हमारी बहन है, हमारी मां है। यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के पुलिस विभाग के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है।' यह मामला जस्टिस जे. बी. पारदीवाला की अगुवाई वाली बेंच के सामने आया था। इससे पहले, 28 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में बर्तन अपराधों के मामलों में तेजी से हुई बढ़ोतरी पर चिंता जताई थी, अदालत ने एक पार्क में हुए बलात्कार और चलती स्लीपर बस में एक नाबालिग के साथ हुए कथित यौन उत्पीड़न जैसी घटनाओं का खुद संज्ञान (नव उवजन) लिया था। अदालत ने संबंधित अधिकारियों से एक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी, जिसमें पूछा गया है— सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फिलहाल क्या कदम उठाए जा रहे हैं? इन स्थानों में पार्क, सड़कें, सार्वजनिक वाहन (जैसे बस), बाजार और स्कूल-कॉलेज जैसी जगहें शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 5 अक्टूबर की तारीख तय की थी। सुप्रीम कोर्ट में आज हुई सुनवाई के दौरान, जस्टिस पारदीवाला ने दिल्ली पुलिस से कहा— 'अब आने वाली छुट्टियों— दुर्गा पूजा और दिवाली— के दौरान ये बढमाश, गुंडे और असाभा, जिक्र तत्त्व बहुत ज्यादा सक्रिय रहेंगे, इसलिए, आपको बहुत ज्यादा सावधान रहना होगा, हम फिर से दोहरा रहे हैं कि इन सभी अपराधियों के मन में डर पैदा करें, अगर कुछ भी गलत हुआ, तो आपकी खैर नहीं।' अदालत के पिछले आदेश का हवाला देते हुए, बेंच ने कहा कि दिल्ली पुलिस नियमों का पालन करना शुरू कर देगी और इसमें कोई संदेह नहीं है, बेंच ने पकड़ने से कहा कि किसी भी सुझाव के लिए उन्हें इस मामले में निपुण न्यायमित्र से संपर्क करना चाहिए और इसे अदालत के संज्ञान में लाया जाए। जस्टिस पारदीवाला ने कहा— 'क्या आप सभी इस बात का कोई हिसाब रखते हैं कि पार्क में कौन आ रहा है और कौन बाहर जा रहा है? क्या रात के समय पार्क में ताला लगाया जाता है? आप पूरे पार्क में सीसीटीवी (ब्लूट) नहीं लगा सकते, लेकिन कम से कम एंटी और एग्जिट पॉइंट्स पर तो लगा ही सकते हैं।' बेंच ने कहा कि केवल सीसीटीवी (ब्लूट) लगा देना ही काफी नहीं है, बल्कि चौकीसो घंटे इसकी निगरानी के लिए एक सेल (कंट्रोल रूम) होना चाहिए, इसके साथ ही अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 16 नवंबर के लिए तय कर दी। इससे पहले 28 सितंबर को, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एक ऐसे दौर में जो हमारे सामने यौवक के जुरूरत है, जिसमें अपराध रोकने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और कमजोर वर्ग के लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय हो, बेंच ने इस बात पर जोर दिया कि जिन सार्वजनिक जगहों पर कम रोशनी होती है, निगरानी की कमी होती है, या जहां पुलिस की गश्त और तुरंत कार्रवाई करने वाले सिस्टम की कमी होती है, वहां हर नागरिक के लिए सुरक्षा का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ जाता है।

केदारनाथ धाम हेली सेवा, कल से शुरू होगी अंतिम चरण के टिकटों की बुकिंग, जानिए कैसे करें बुक?



देहरादून: केदारनाथ धाम जाने वाले भक्तों के लिए बड़ी खबर है, जो भक्त हेलीकॉप्टर से केदारनाथ धाम जाना चाहते हैं, उनके लिए अंतिम चरण की यात्रा के लिए कल 9 अक्टूबर से हेली टिकटों की बुकिंग शुरू हो रही है। 9 अक्टूबर को आगामी 16 अक्टूबर से 9 नवंबर 2026 तक के लिए हेली टिकटों की बुकिंग शुरू होने जा रही है। ऐसे में जो श्रद्धालु हेली सेवाओं के जरिए बाबा केदारनाथ के दर्शन करना चाहते हैं, वो कल यानी 9 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से आईआरसीटीसी की वेबसाइट से हेली टिकट बुक कर सकते हैं। दरअसल, उत्तराखंड वायुधाम यात्रा अंतिम चरण में चल रही है। बाबा केदारनाथ धाम के कपाट दीपावली के दो दिन बाद भाई दूज के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद प्रदेश में शीतकालीन यात्रा शुरू हो जाएगी, जिसको देखते हुए उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने 9 नवंबर 2026 तक के लिए हेली टिकटों की बुकिंग का स्टॉप बंद कर दिया है। ऐसे में श्रद्धालु आईआरसीटीसी की ऑफिशल वेबसाइट 'जजयवैष्णवीमसफलजयप्रतापजयव्यपद' के जरिए टिकट बुक कर सकते हैं। केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवाओं का राउंड ट्रिप किराया पहले से ही तय है, जिसके तहत गुरुवाली से केदारनाथ धाम तक के लिए जीएसटी सहित 12,782 रुपये फ्लाइट से केदारनाथ धाम तक के लिए जीएसटी सहित 10184 रुपये किराया रखा गया है। वहीं, नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के सीईओ प्रतीक जैन ने कहा कि केदारनाथ धाम के लिए हेली की शटल सेवा 15 सितंबर से शुरू हो गई है। शुरुवाती दौर में 15-15 दिन के लिए टिकटों की बुकिंग का स्टॉप बंद किया जा रहा है। उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे किसी भी प्रकार की घोषणाओं से बचने के लिए अनधिकृत व्यक्तियों, ट्रेवल एजेंटों या फर्जी वेबसाइटों के माध्यम से टिकट बुकिंग न करें, किसी भी अनधिकृत माध्यम से भुगतान करने से बचें। यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करना न्याय की सर्वोच्च प्राथमिकता है। न्याय की ओर से यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं वायुधाम हेलीकॉप्टर यात्रा के सुरक्षित एवं सुचारु संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी एवं समीक्षा की जा रही है।

'ऑपरेशन सिंदूर' में दुनिया ने देखी हमारी ताकत...' वायुसेना दिवस पर एयर चीफ मार्शल का बड़ा बयान

गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश): एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने बुधवार को कहा कि भारतीय वायुसेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अपनी रफ्तार, विनाशकारी मारक क्षमता और बेहतरीन हवाई रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। उन्होंने यह भी आरोसा दिलाया कि वायुसेना पूरी तरह सतर्क, समर्पित और किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। हिंडन एयर बेस पर वायुसेना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए एयर चीफ ने कहा कि दुनिया भर में हाल ही में हुए युद्धों से यह साफ हो गया है कि किसी देश के हितों की रक्षा करने में वायुसेना सबसे प्रमुख जरिया है। ए पी सिंह ने आगे कहा कि वायुसेना की ताकत सिर्फ उसके आधुनिक विमानों और हथियारों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि वह युद्ध के लिए कितनी तैयार है और जरूरत पड़ने पर कितनी तेजी व आत्मविश्वास से कदम उठा सकती है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा, पिछले साल पूरी दुनिया ने देखा कि भारतीय वायुसेना कितनी तेजी से युद्ध के मैदान में उतरी। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान वायुसेना ने अपनी विनाशकारी मारक क्षमता और अचूक हवाई रक्षा दोनों का लोहा मनवाया। हेवायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह गुरुवार, 08 अक्टूबर, 2026 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में हिंडन वायु सेना स्टेशन पर 94वें भारतीय वायु सेना दिवस समारोह के दौरान भाषण देते हुए, (फ्रंट टैज) वायुसेना दिवस परेड के दौरान, हिंडन एयर फोर्स स्टेशन पर इन सभी आधुनिक लड़ाकू विमानों, रडार प्रणालियों, मिसाइलों और हेलीकॉप्टरों को प्रदर्शन के लिए रखा गया था। परेड देखने के लिए इकट्ठा हुए लोग शक्तिशाली विमानों को इतने करीब से देखने के लिए बेहद उत्साहित थे। आसमान में उड़ते और जमीन पर प्रदर्शित लड़ाकू विमानों व हेलीकॉप्टरों के नजारे ने सबका ध्यान खींचा, और कई दर्शक इन पलों को अपने फोन में कैद करते नजर आए। वहां मौजूद लोगों के लिए वायुसेना के इन आधुनिक विमानों को करीब से देखना न सिर्फ एक रोमांचक अनुभव था, बल्कि गर्व का क्षण भी था।

वायुसेना दिवस पर अपने संबोधन में वायुसेना प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि बल वास्तविक प्रशिक्षण और अभ्यासों के जरिए अलग-अलग अभियान संबंधी जरूरतों के लिए लगातार तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हम जैसा लड़ते हैं, वैसा ही प्रशिक्षण लेते हैं', और यह भी जोड़ा कि पेशेवर प्रशिक्षण ही हमारी अभियान क्षमता की बुनियाद है। उन्होंने युद्ध की तैयारियों को परखने और परिचालन ढांचे में नई तकनीकों को तेजी से शामिल करने के प्रयासों के तहत 'वायुशक्ति', 'डोनार्थन' और वर्तमान में चल रहे बहुपक्षीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' जैसे महत्वपूर्ण अभ्यासों का विशेष रूप से उल्लेख किया। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में हिंडन वायु सेना स्टेशन पर गुरुवार, 08 अक्टूबर, 2026 को 94वें भारतीय वायु सेना दिवस समारोह का आयोजन हुआ। (फ्रंट टैज) वायुसेना के बदलाव के लिए एआई और ऑटोनॉमस सिस्टम बेहद जरूरी। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय वायुसेना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल इनोवेशन के दौर में कदम रख रही है। उन्होंने बताया कि एआई का इस्तेमाल कमांडरों को भारी मात्रा में डेटा का विश्लेषण करने और सही फैसले लेने में मदद के लिए किया जा रहा है।

"हटाए जाएं सारे बैरिकेड, आवाजाही और इंटरनेट सेवा को किया जाए सामान्य", "ब" का सख्त निर्देश, दिल्ली पुलिस को भी दिया नोटिस

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने 45 मेट्रो स्टेशन बंद किए जाने से संबंधित अवमानना याचिका और हिरासत में लिए गए लोगों के मामले में दाखल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई के लिए कार्यवाही शुरू की। पीठ इन दोनों मामलों पर सुनवाई हुई। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के जरिए हिरासत में लिए गए लोगों के संबंध में अदालत से हस्तक्षेप की मांग की गई है। वहीं, 45 मेट्रो स्टेशन बंद किए जाने से जुड़ी अवमानना याचिका पर भी सुनवाई हुई। इंटरनेट सेवा की जाए बहाल। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को अवमानना का नोटिस जारी किया है। साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि दिल्ली में आवाजाही और इंटरनेट सेवा सामान्य की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोगों को अपने पेशे से जुड़े काम करने से न रोका जाए। दिल्ली में लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल (ब) से कहा कि लोगों को अपने पेशे से जुड़े काम करने में परेशानी नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मेट्रो को सामान्य समय-सारणी के अनुसार चलाया जाए। जगह-जगह लगाए गए बैरिकेड हटाए जाएं। हालांकि, कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए जरूरत पड़ने पर नियम लागू किए जा सकते हैं। कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 19(2) का भी जिक्र किया है। कोर्ट ने शहर में इंटरनेट सेवा को सामान्य रूप से बहाल करने को कहा। साथ ही, निर्देश दिया कि दिल्ली में जगह-जगह लगाए गए बैरिकेड हटाए जाएं। बैरिकेड केवल वहीं रखे जाएं, जहां उनकी जरूरत हो। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि लोगों की आवाजाही सामान्य की जाए। हालांकि, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरत के मुताबिक उचित पाबंदियां लगाई जा सकती हैं। वहीं, अब इस मामले के सुनवाई मंगलवार को होगी। दिल्ली पुलिस की कार्यवाही पर 'ब' की अहम टिप्पणी।

दिल्ली पुलिस पर टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर पुलिस



को कोई स्वतंत्र अधिकार नहीं मिल जाता कि वह राज्य की दलीलों से अलग अपना पक्ष रखे। अगर किसी पुलिस अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से नुकसान पहुंचा है, तो वह अलग से अदालत का रुख कर सकता है। अदालत के लिए यह मायने नहीं रखता कि पीड़ित कौन है? नागरिकों के अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा करना अदालत की समान जिम्मेदारी है। पुलिसकर्मी हो, वकील हो या आम नागरिक, हर व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करना अदालत का समान कर्तव्य है। याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि वकीलों को उनके क्लाइंट्स से थाने में नहीं मिलने दिए जा रहे हैं। पुलिस वाले वकीलों को ही एफआईआर करने की धमकी दे रहे थे। लॉयर्स फाउंडेशन की ओर वकील ने कहा कि जिस तरह के हालात कल थे। उनको बयान करना मुमकिन नहीं है। जज - जो याचिकाएं लिस्टेड नहीं हैं, सिर्फ मेंशन हो रही हैं, उन पर अभी कोई आदेश नहीं देंगे। लिस्टेड मामलों को सुनेंगे। बाद में इन्हें भी उनके साथ टैग किया जाएगा। गोपाल - कोर्ट के बाहर मेरा पहला अनुरोध है कि दिल्ली में प्री मूवमेंट का निर्देश दिया जाए, बैरिकेड हटें। गोपाल - दूसरा अनुरोध, बिना वैज के पुलिसकर्मीयों की पहचान हो और कार्यवाई हो। संजय हेगडे - वकीलों को काम से रोकना गलत है। सॉलिसिटर जनरल सुनिश्चित करें कि वकीलों के साथ ऐसा न हो। कल संजय कॉलोनी थाने में क्लाइंट से मिलने गए वकील को पीटा गया।

भी 163 लगा था। इसके अलावा भी जगह-जगह लोगों को डिटेन किया गया। इसके वीडियो हैं। जज - आप मैरिट पर जर्ज हैं। आपको समझना होगा कि हम अपवाद के तौर पर रविवार को बैठे हैं। गोपाल - जी। जा रहा है। पुलिस वाले वकील, को ही एफआईआर करने की धमकी दे रहे थे। लॉयर्स फाउंडेशन की ओर वकील ने कहा कि जिस तरह के हालात कल थे। उनको बयान करना मुमकिन नहीं है। जज - जो याचिकाएं लिस्टेड नहीं हैं, सिर्फ मेंशन हो रही हैं, उन पर अभी कोई आदेश नहीं देंगे। लिस्टेड मामलों को सुनेंगे। बाद में इन्हें भी उनके साथ टैग किया जाएगा। गोपाल - कोर्ट के बाहर मेरा पहला अनुरोध है कि दिल्ली में प्री मूवमेंट का निर्देश दिया जाए, बैरिकेड हटें। गोपाल - दूसरा अनुरोध, बिना वैज के पुलिसकर्मीयों की पहचान हो और कार्यवाई हो। संजय हेगडे - वकीलों को काम से रोकना गलत है। सॉलिसिटर जनरल सुनिश्चित करें कि वकीलों के साथ ऐसा न हो। कल संजय कॉलोनी थाने में क्लाइंट से मिलने गए वकील को पीटा गया।

ओडिशा में भालू ने साइकिल सवार पर किया हमला, इलाके में दहशत का माहौल

ओडिशा के बालासोर जिले के नीलगिरी में बुधवार सुबह भालू के हमले की एक घटना सामने आई। गनीमत रही कि साइकिल सवार व्यक्ति इस हमले में सुरक्षित बच गया। घटना के बाद इलाके के लोगों में चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार, यह घटना बुधवार सुबह नीलगिरी एनएसी के गार्ड नंबर-2 के घाटघर साही इलाके में हुई। बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति सुबह अपनी साइकिल से सड़क से गुजर रहा था। इसी दौरान अचानक एक भालू यहां पहुंच गया और साइकिल सवार की ओर झपट पड़ा। भालू ने अचानक साइकिल सवार पर हमला करने की कोशिश की। भालू के झपटने से व्यक्ति अपना संतुलन खो बैठा और साइकिल से नीचे गिर गया। हालांकि, साइकिल सवार ने किसी तरह वहां से निकलकर अपनी जान बचा ली। सड़क की बाग यह है कि इस घटना में वह घायल नहीं हुए।

इलाके में दहशत का माहौल। भालू के हमले की यह पूरी घटना इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज में भालू को साइकिल सवार की ओर झपटते हुए देखा जा सकता है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भालू को लेकर डर और चिंता बढ़ गई है। स्थानीय इलाके में भालू की मौजूदगी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर उन लोगों में ज्यादा डर है, जो रोजाना इस सड़क से होकर आते-जाते हैं। सुबह के समय लोग अक्सर काम, पढ़ाई या अन्य जरूरी कामों के लिए घरों से निकलते हैं। ऐसे में सड़क पर भालू के अचानक दिखाई देने की घटना से लोगों में सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल साइकिल सवार इस हमले में सुरक्षित बच गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद इलाके के लोग सतर्क हो गए हैं। घटना के बाद



लोगों ने जानवर को इलाके से भगाने की कोशिश की। आखिरकार भालू जंगल की ओर चला गया और इलाके से गायब हो गया। निवासियों ने वन विभाग से स्थिति पर नजर रखने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती कदम उठाने की अपील की है। वन अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को भरोसा दिलाया है कि वे इलाके पर नजर रखेंगे ताकि भालू नहीं लौट आए। सीसीटीवी फुटेज में भालू को साइकिल सवार की ओर आते और अचानक उस पर झपटते हुए देखा जा सकता है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भालू को लेकर डर और चिंता बढ़ गई है। स्थानीय इलाके में भालू की मौजूदगी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर उन लोगों में ज्यादा डर है, जो रोजाना इस सड़क से होकर आते-जाते हैं। सुबह के समय लोग अक्सर काम, पढ़ाई या अन्य जरूरी कामों के लिए घरों से निकलते हैं। ऐसे में सड़क पर भालू के अचानक दिखाई देने की

घटना से लोगों में सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल साइकिल सवार इस हमले में सुरक्षित बच गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद इलाके के लोग सतर्क हो गए हैं। घटना के बाद दोबारा इलाके में न आ सके। इससे पहले उत्तराखंड में भालू के हमले से बचने के चक्कर में दो महिलाएं गहरी खाई में गिर गई थीं। इनमें से एक महिला की मौत हो गई थी। सीसीटीवी फुटेज में भालू को साइकिल सवार की ओर आते और अचानक उस पर झपटते हुए देखा जा सकता है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भालू को लेकर डर और चिंता बढ़ गई है। स्थानीय इलाके में भालू की मौजूदगी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर उन लोगों में ज्यादा डर है, जो रोजाना इस सड़क से होकर आते-जाते हैं। सुबह के समय लोग अक्सर काम, पढ़ाई या अन्य जरूरी कामों के लिए घरों से निकलते हैं। ऐसे में सड़क पर भालू के

हमीरपुर में सड़क हादसा : मथुरा-वृंदावन से दर्शन कर डूब के सतना लौट रहे दो श्रद्धालुओं की मौत

हमीरपुर: मथुरा-वृंदावन से दर्शन कर वाइक से मध्य प्रदेश के सतना लौट रहे दो श्रद्धालुओं की बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में मौत हो गई। दुर्घटना सोमवार सुबह करीब 9 बजे मौदहा कोतवाली क्षेत्र में हुई है, जहां वाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर घिसाई गई, जिससे उस पर सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मौदहा कोतवाली प्रमारी संतोष कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के सतना जिले की चरौघा तहसील के गजगवां थाना क्षेत्र के नकेला गांव निवासी मोहन मिश्रा (50) और संजय पांडे (45) के रूप में हुई है। ये लोग मथुरा-वृंदावन से दर्शन करने के बाद वाइक से अपने गांव लौट रहे थे, सोमवार सुबह दोनों बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से होकर



गुजर रहे थे, इसी दौरान 9 बजे के करीब पोल

संख्या 73.3 के पास वाइक अचानक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी मिलने पर 112 पुलिस मौके पर पहुंची, दोनों घायलों को एंबुलेंस से मौदहा सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, यहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पीछे दूसरी वाइक से आ रहे परिजन भी मौके पर पहुंच गए हैं। मौदहा कोतवाली प्रमारी ने कहा कि प्रथम दृष्टया वाइक चालक को झपकी आने के कारण हादसा हुआ है। फिलहाल अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाई शुरू कर दी है।

आज से दुर्गा पूजा शुरू, जानिए कलश स्थापना की विधि और पहले दिन देवी शैलपुत्री को क्या भोग लगाना चाहिए



शारदीय नवरात्रि 2026 (शैलपुत्री) की शुरुआत आज, रविवार, 11 अक्टूबर को कलश स्थापना के साथ हो रही है, कई जगहों को इसे घटस्थापना भी कहा जाता है। नवरात्रि के दौरान, नौ दिनों तक देवी दुर्गा और उनके नौ रूपों की पूजा की जाती है। पहला दिन देवी शैलपुत्री को समर्पित होता है। हिंदू धर्म में, नवरात्रि के पहले दिन कलश की स्थापना को बहुत महत्वपूर्ण और जरूरी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कलश में भगवान गणेश, त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु और महेश) और नौ ग्रहों (नवग्रह) का वास माना जाता है।

पश्चिम बंगाल के जाने-माने और लोकप्रिय ज्योतिषी राहुल डे का कहना है कि कलश स्थापना के बिना नवरात्रि की नौ दिनों की पूजा अधूरी मानी जाती है, क्योंकि व्रत रखने और शक्ति साधना करने का संकल्प इसी रम के बाद लिया जाता है। इस खबर में कलश स्थापना के लिए जरूरी सामग्री और सरल विधि के बारे में जानें...

साफ तांबे, पीतल या मिट्टी का कलश पानी और आम के पत्ते लाल या पवित्र कपड़े में लिपटा हुआ

नारियल लाल पवित्र धागा या कलावा अक्षत (साबुत चावल के दाने) रोली, कुमकुम और हल्दी फूल और ताजे फूलों की माला दीया, रुई की बरियां और घी या तेल अगरबत्ती और कपूर पूजा की साफ थाली स्वच्छ जल और गंगाजल सुपाशी और सिक्का साफ और उपजाऊ मिट्टी कैसे करें कलश स्थापना?

कलश स्थापना से पहले, पूजा घर या पूजा के लिए तय जगह को साफ करें। लकड़ी की एक साफ चौकी रखें और उस पर लाल या पीला कपड़ा बिछाएं। मिट्टी से भरा एक चौड़ा मिट्टी का बर्तन लें, उसमें जी के बीज बोएं और उसके ऊपर कलश रखें या फिर, कलश के आधार के लिए चावल का एक छोटा ढेर बनाएं। कलश को साफ पानी या गंगाजल से लगभग तीन-चौथाई भरें। इसमें एक सिक्का, थोड़े अक्षत (बिना टूटे चावल के दाने), दूर्वा घास, एक सुपाशी और एक चुटकी हल्दी डालें। आप हल्दी के गोठ भी डाल सकते हैं। अब 'घ' का जाप करते हुए, कलश के गले पर कलावा बांधें। इसके बाद, कलश के

मुंह पर आम या अशोक के पांच या सात पत्ते इस तरह लगाएं कि वे बाहर की ओर फैले रहें। एक नारियल को लाल कपड़े में लपेटें और उसे पत्तों के ऊपर मजबूती से रखें, जो कलश का शिखर या ऊपरी हिस्सा बनेगा। कलश पर रोली और कुमकुम का तिलक लगाएं। फूल और अक्षत चढ़ाएं और देवताओं का आह्वान करें। कुछ विशेष मंत्रों का जाप करके या बस भगवान गणेश, देवी लक्ष्मी और भगवान वरुण को कलश में विराजमान होने के लिए बुलाकर, एक दीया और अगरबत्ती जलाएं, नैवेद्य (पवित्र भोग) चढ़ाएं और स्थापित कलश के सामने आरती करें। इस तरह कलश स्थापित हो जाएगा।

देवी शैलपुत्री को पहले दिन क्या भोग अर्पित करना चाहिए? देवी शैलपुत्री को शुद्ध गाय का घी या उससे बनी मिठाइयां (जैसे खीर या पेड़ा) अर्पित करना चाहिए। शुद्ध घी से बना भोग माता को बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि शुद्ध घी का भोग लगाने से भक्त को रोग-मुक्त जीवन और शारीरिक शक्ति का आशीर्वाद मिलता है। देवी शैलपुत्री को नारंगी रंग विशेष रूप से पसंद नवरात्रि के पहले दिन, देवी शैलपुत्री को नारंगी रंग विशेष

कंप्यूटर, लैपटॉप पर काम करने वालों के लिए 20,20,20 का नियम, आंखों में होने वाली इन बीमारियों से बच सकते हैं

आंखों का 20,20,20 नियम



आंखों में नजर से जुड़ी समस्या जब तक नहीं होती, हम रोजाना की दिनचर्या में इन पर कोई ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में आंखों से जुड़ी समस्याएं जिस तेजी से बढ़ी हैं, बच्चों और युवाओं को अपनी आंखों की खास देखभाल करने की जरूरत है। इससे प्रिवेंटेबल ब्लाइंडनेस को रोका जा सकता है। इसके लिए आंखों की नियमित जांच, आंखों के लिए खराब स्थितियों और समय पर सही इलाज की जानकारी जरूरी है।

आंखों की रोशनी बचाने के लिए कुछ आसान लेकिन नियमित आदतें भी जरूरी हैं। युवाओं को नियमित रूप से आंखों की पूरी जांच करानी चाहिए, भले ही उन्हें किसी तरह की परेशानी महसूस न हो। डॉक्टर महिपाल सिंह सचदेव (चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, सेंटर फॉर साइट

युप ऑफ हॉस्पिटल्स) के मुताबिक, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, परिवार में ग्लूकोमा या आंखों से जुड़ी दूसरी बीमारी का इतिहास होने पर ज्यादा नियमित जांच की जरूरत हो सकती है। बच्चों की भी नजर की जांच कराना जरूरी है, खासकर अगर उन्हें बार-बार सिरदर्द होता है, पढ़ने में परेशानी होती है, वे बार-बार आंखें मलते हैं, आंखें सिकोड़कर देखते हैं या स्कूल में बोर्ड देखने में दिक्कत होती है। खेल के दौरान या मशीनरी और केमिकल के साथ काम करते समय सही आई प्रोटेक्शन पहनने से आंखों में होने वाली गंभीर चोटों से बचाव किया जा सकता है। आंखों के लिए जरूरी 20,20,20 नियम अगर आप लैपटॉप या कंप्यूटर पर काम करते हैं, डिजिटल स्क्रीन पर समय बिताते हैं तो आंखों को आराम देना भी जरूरी है। रोजमर्रा की

दिनचर्या में आई केयर को शामिल करना जरूरी है। इसके लिए आप 20-20-20 नियम अपना सकते हैं। इससे डिजिटल आई स्ट्रेन को कम करने में मदद मिल सकती है। इस नियम में आपको हर 20 मिनट में करीब 20 फीट दूर किसी चीज को 20 सेकंड तक देखना होता है। पर्याप्त रोशनी, स्क्रीन को आंखों से सही दूरी पर रखना, बार-बार पलकें झपकाना और पूरी नींद लेना भी आंखों को आराम देने में मदद कर सकता है। आंखों में होने वाली बीमारी और उनके कारण प्रिवेंटेबल ब्लाइंडनेस की शुरुआत हमेशा किसी गंभीर या साफ दिखाई देने वाली आंखों की बीमारी से नहीं होती। कैंटरवुड, ग्लूकोमा, डायबिटिक आई डिजीज, नजर का नंबर, कॉर्निया से जुड़ी बीमारियां और रेटिना से जुड़ी कुछ बीमारियां धीरे-धीरे नजर को प्रभावित

पीरियड्स से पहले शरीर क्यों देने लगता है अलग संकेत, डॉक्टर से जानें क्या ये बदलाव है नॉर्मल?



महिलाओं को अक्सर इस बात से शिकायत होती है कि उनका मस्टुअल साइकिल नियमित है, टेस्ट भी ठीक आते हैं फिर भी पीरियड्स से पहले शरीर में अजीब क्यों महसूस होता है। ऐसे में ये अक्सर डॉक्टर से सवाल पूछती हैं कि जब सब कुछ नॉर्मल है तो इस तरह का अलग एक्सपीरियंस क्यों? दिल्ली स्थित मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अल्का दहिया कहती हैं कि पीरियड्स के पहले इस तरह का बदलाव सामान्य है। बकौल डॉक्टर, "मस्टुअल साइकिल के दौरान हार्मोन बदलते रहते हैं। पीरियड्स से हफ्ते दो हफ्ते पहले एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन बढ़ते हैं और फिर अचानक घट जाते हैं। शरीर इसी बदलाव के लिए बना है लेकिन इन हार्मोन के उतार-चढ़ाव से कई तरह के लक्षण पैदा हो सकते हैं।" पीरियड्स से पहले नजर आते हैं ये लक्षण पीरियड्स से पहले जो लक्षण आमतौर पर दिखते हैं उनमें सूजन पानी जमा होना, पेट में भारीपन रक्तों में कोमलता या भरापन मूड स्विंग, चिड़चिड़ापन, उदासी, नींद की समस्या, थकान, मीठा या नमकीन

खाने की लालसा और खून बहना शुरू होने से पहले सिरदर्द, मूँहासे या हल्की ऐंठन शामिल हैं। इसके अलावा पीरियड्स में अगर आपको कुछ इस तरह के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। डॉ अल्का दहिया कहती हैं कि इसका कारण हार्मोनल बदलाव में छिपा है। ये बदलाव दिमाग में मौजूद रसायनों को प्रभावित करते हैं जैसे सेरोटोनिन जो मूड, नींद और भूख को नियंत्रित करता है। प्रोजेस्टेरोन पाचन को धीमा कर देता है इसलिए सूजन और कब्ज आम हो जाते हैं। पानी का संतुलन भी बदल जाता है जिससे शरीर फूला हुआ महसूस हो सकता है जो पीरियड्स शुरू होने के बाद ठीक हो जाता है। लक्षण कैसे होंगे कंट्रोल?

इन लक्षणों को कम करने के लिए रोजाना थोड़ा पैदल चलना, हल्का व्यायाम करना, समय पर सोना आदि शामिल हैं। पीरियड्स के पहले हफ्ते में कॉफी नमक और रेडीमेड डिब्बाबंद खाने की मात्रा कम करें। कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर खाने की चीजें जैसे दही, हरी सब्जियां और मेवे शामिल करें। दो से तीन पीरियड्स धित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इंडिया टीवी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

तक अपने लक्षणों को नोट करते रहें। कब जांच है जरूरी? अगर पीरियड्स के दौरान आपको मूड स्विंग बहुत तेजी से हों या बहुत ज्यादा खून बहने लगे, तेज दर्द या ऐसे लक्षण जो समय के साथ बर्दाश्त से बहार हो जाएं उनकी जांच जरूरी है। कभी-कभी पीएमडीडी थायराइड की समस्या एंडोमेट्रियोसिस या फाइब्रॉइड जैसी स्थितियों साधारण पीएमएस समझ ली जाती है इसलिए इसकी जांच जरूरी है। एम्बेस्डमेंट (इस आर्टिकल में सुझाए गए टेस्ट्स केवल आम जानकारी के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संक्रमण को नमक और रेडीमेड डिब्बाबंद खाने की मात्रा कम करें। कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर खाने की चीजें जैसे दही, हरी सब्जियां और मेवे शामिल करें। दो से तीन पीरियड्स धित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इंडिया टीवी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

रोजाना की ये 8 आदतें चुपचाप आपकी आंखों को पहुंचा रही हैं नुकसान



आंखें इंसान के शरीर के सबसे जरूरी और सेंसिटिव अंगों में से एक हैं, जो लगातार विजुअल जानकारी को एनालाइज करती हैं और हमारे आस-पास की दुनिया को समझने में हमारी मदद करती हैं। हालांकि, आज की तेज-तर्रार, स्क्रीन-सेंट्रिक लाइफस्टाइल अक्सर आंखों पर बहुत ज्यादा दबाव डालती है विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ दैनिक आदतें, जो देखने में हानिरहित लगती हैं, दृष्टि पर दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकती हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि डिजिटल डिवाइस के इस्तेमाल, बहुत ज्यादा समय तक स्क्रीन देखने, पानी कम पीने और आंखों की सुरक्षा न करने से आंखों पर जोर पड़ता है और धीरे-धीरे आंखें खराब हो सकती हैं। काम और मनोरंजन, दोनों के लिए डिजिटल डिवाइस पर बढ़ती निर्भरता के कारण, लंबे समय तक स्क्रीन देखने से भी आंखों से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं। छोटी-छोटी आदतें, जैसे थकान होने पर आंखों को रगड़ना या पर्याप्त पानी न पीना, भले ही मामूली लगें, लेकिन समय के साथ ये आपकी आंखों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं। इस संदर्भ में, आइए उन आदतों पर नजर डालें जिनसे आंखों को स्वस्थ रखने के लिए बचना चाहिए... आदतें जो आपकी आंखों को नुकसान पहुंचा सकती हैं स्क्रीन का ज्यादा इस्तेमाल: आज के

डिजिटल जमाने में स्क्रीन से दूर रहना मुश्किल है, हालांकि, एक्सपर्ट्स का कहना है कि ज्यादा देर तक स्क्रीन इस्तेमाल करने से आंखों पर डिजिटल स्ट्रेन पड़ सकता है। इससे आंखों में सूखापन, धुंधला दिखना और सिरदर्द जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। इसके अलावा, स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी नींद के पैटर्न में रुकावट डाल सकती है। इसलिए, स्क्रीन टाइम कम करने की सलाह दी जाती है। सनग्लास न पहनना: एक्सपर्ट्स का कहना है कि आंखों को नुकसान पहुंचाने वाली अल्ट्रावायलेट (UV) किरणों से बचाने में नाकाम रहने से लंबे समय तक नुकसान हो सकता है। वे चेतावनी देते हैं कि इन किरणों के ज्यादा देर तक संपर्क में रहने से मोतियाबिंद, मैकुलर डिजनरेशन और आंखों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, क्लोवर्लेड विलनिक के अनुसार, सूरज की अल्ट्रावायलेट किरणें समय के साथ आंख के पीछे के स्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा सकती हैं। बार-बार आंखें मलना: थकान या जलन महसूस होने पर आंखें मलना भले ही नुकसानदायक न लगे, लेकिन समय के साथ इससे नुकसान हो सकता है। डमकसपदमकसने के अनुसार, आंखें मलने से आंखों में गंदगी और बैक्टीरिया जा सकते हैं, जिससे जलन या इन्फेक्शन हो सकता है। जानकारी का कहना है कि

लगातार दबाव पड़ने से कॉर्निया को नुकसान पहुंच सकता है। कॉन्टैक्ट लेंस को साफ-सफाई: जानकारी चेतावनी देते हैं कि कॉन्टैक्ट लेंस को ठीक से साफ न करने से आंखों की सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है। ठीक से साफ न करने या दूषित सॉल्यूशन का इस्तेमाल करने से हानिकारक सूक्ष्मजीव आंखों में जा सकते हैं, जिससे माइक्रोबियल कंटाटाइटिस जैसा इन्फेक्शन हो सकता है। इस संबंध में, अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्टोमेट्री कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों को सलाह देती है कि वे आंखों के इन्फेक्शन से बचने के लिए हमेशा साफ-सफाई का ध्यान रखें। आंखों की नियमित जांच न करवाना: विशेषज्ञों का कहना है कि ग्लूकोमा, डायबिटिक रेटिनोपैथी और उम्र से जुड़ी मैकुलर डिजनरेशन जैसी बीमारियां पानी का पता लगाने के लिए आंखों की नियमित जांच बहुत जरूरी है, क्योंकि शुरुआती दौर में इनके कोई लक्षण नहीं दिखते, जांच न करवाने से बीमारी का पता चलने और इलाज में देरी हो सकती है, जिससे आंखों की रोशनी जाने का खतरा बढ़ जाता है। डिहाइड्रेशन (शरीर में पानी की कमी): विशेषज्ञों का कहना है कि शरीर में पानी की कमी से आंखों में सूखापन, बेचीनी और धुंधला दिखाई देने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। डिहाइड्रेशन से आंखें कम बनते हैं

दिल्ली में जारी रहेगा ब्रिच का प्रदर्शन, जानें क्यों धरी की धरी रह गई उनकी सारी तैयारी

दिल्ली में कुछ यूं रहा CJP का प्रोटेस्ट



10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर आज वैसा कुछ भी नहीं हो पाया जैसा 20 जुलाई को हुआ था। जंतर-मंतर पर ब्रिच के प्रोटेस्ट में एक भी नेता नहीं पहुंच पाया। खुद ब्रिच के लीडर्स वहां तक नहीं पहुंच पाए। ममता बनर्जी अपने मतीय अभिषेक बनर्जी के घर से निकलीं जरूर, लेकिन वो जंतर-मंतर नहीं पहुंच पाईं। अरविंद केजरीवाल भी जंतर-मंतर तक नहीं पहुंच पाए। राहुल गांधी जंतर-मंतर के लिए निकले ही नहीं। वो दिल्ली से चेन्नई निकल गए और अखिलेश यादव दिल्ली आने की जगह सैफई चले गए। 'बोट चोरी' पर विपक्षी एकता की आज पोल खुल गई। इस बीच, कोकरोच जनता पार्टी ने ऐलान किया है कि रविवार को भी प्रदर्शन जारी रहेगा। लेकिन सवाल है कि आज ऐसा मुमकिन कैसे हुआ कि कोई बवाल नहीं होने पाया।

दिल्ली में तैनात थे 30 हजार से ज्यादा जवानरअसल, जंतर-मंतर का सैंकड़ चौदर शुरु होने से पहले ही खत्म हो गया। आज दिल्ली पुलिस के 30 हजार से ज्यादा जवान जंतर-मंतर के आसपास तैनात थे। हर रास्ते पर बैरिकेडिंग थी। हर सिचुएशन से निपटने की तैयारी थी। आज जो भी जंतर-मंतर के लिए निकला, बैनर पोस्टर लहराने की कोशिश की, जंतर-मंतर पहुंचने से पहले ही दिल्ली पुलिस ने उसे डिटेन कर लिया। मिनटों के बंद लोग जंतर-मंतर पहुंचे भी तो उनके नारा, 'का शोर दिल्ली पुलिस की तैयारियों के आगे सुनाई नहीं दिया। दोपहर होते-होते सबकुछ ठंडा पड़ गया जंतर-मंतर के आसपास का पूरा इलाका आज छावनी बना रहा। कर्नल प्लेस हो, रीगल सिनेमा हो, मिंटो ब्रिज हो या आकाशवाणी भवन, जहां प्रोटेस्टर्स ने हंगामा करने की कोशिश की, उन्हें पुलिस उठाकर ले गई। ना अभिजीत दिपके पहुंच पाए, ना ध्रुव राठी को मौका मिला, ना नेहा बोहरा की दात गली। दिल्ली पुलिस ने आज सिर्फ 30 हजार जवानों की फौज ही नहीं उतारी, बल्कि चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे लगाए। दर्जनों ड्रोन उड़ाए। सड़कों पर कील लगाई। कोकरोच जनता पार्टी के जो सपोर्टर्स इन सबके बाद भी कर्नल प्लेस के आसपास पहुंचे, उन्हें समझ में नहीं आया कि करना क्या है। या तो वो थोड़ी देर में वापस लौट गए या फिर उन्हें पुलिस डिटेन करके ले गई। दोपहर होते-होते सबकुछ ठंडा पड़ चुका था। जितने लोग सड़कों पर बचे थे, उससे ज्यादा दिल्ली पुलिस के 12 डिटेनमेंट सेटर्स में पड़े थे। संसद मार्ग, रफी मार्ग तक भी पूरी तैयारी जंतर-मंतर के आस-पास जिन इलाकों में 20 जुलाई को जबरदस्त हंगामा हुआ था, पत्थरबाजी हुई थी, लाठीचार्ज हुआ था, दोपहर से लेकर देर रात तक बवाल हुआ था, वो सारे इलाके आज सुनसान पड़े थे। दिल्ली पुलिस इस बार बिल्कुल क्लियर थी कि 20 जुलाई रिपीट नहीं होने देगी, इसलिए पूरा लुटियंस जोन आज कड़े पहरेदारी में रहा। कुछ प्रोटेस्टर्स जब जंतर-मंतर नहीं पहुंच पाए, तो संसद मार्ग, रफी मार्ग, अशोक रोड, रायसीना रोड, अकबर रोड, शाहजहां रोड सर्फिल की तरफ जमा होने लगे। लेकिन वहां भी दिल्ली पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए तैयार बैठी थी। कुछ ही मिनटों में ये सारे रास्ते खाली करा लिए गए।

पूरा लुटियंस जोन आज कड़े पहरेदारी में रहा। कुछ प्रोटेस्टर्स जब जंतर-मंतर नहीं पहुंच पाए, तो संसद मार्ग, रफी मार्ग, अशोक रोड, रायसीना रोड, अकबर रोड, शाहजहां रोड और इंडिया गेट सर्फिल की तरफ जमा होने लगे। लेकिन वहां भी दिल्ली पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए तैयार बैठी थी। कुछ ही मिनटों में ये सारे रास्ते खाली करा लिए गए।

खींच-खींचकर पुलिस वैन में ले जाए गए प्रदर्शनकारी सारे प्लान फेल हुए तो कई प्रोटेस्टर्स ने असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के नाम पर जमा हुए और हिंदुत्व के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। बात सिर्फ नारेबाजी तक नहीं रुकी। पिछली बार की तरह इस बार भी पुलिस के जवानों को निशाना बनाने की कोशिश भी हुई। बाबा खडग सिंह मार्ग के पास जैसे ही पुलिस के जवान कम हुए, वहां पत्थरबाजी की खबर आ गई। पूरे दिन प्रोटेस्टर्स जंतर-मंतर जाने की कोशिश करते रहे और पुलिस उनके अरमानों पर पानी फेरती रही। इसलिए शाम होते-होते लोग कर्नल प्लेस पहुंचने लगे। पुलिस ने थोड़ी देर वहां लोगों को इकट्ठा होने दिया। जैसे ही कुछ लोग वहां जमा हुए, नारेबाजी शुरू हो गई। और नारेबाजी शुरू हुई तो दिल्ली पुलिस ने भी अपना काम शुरू कर दिया। खींच-खींचकर उन्हें पुलिस वैन में भरा और अपने साथ ले गई। फेल हुआ जंतर-मंतर वाला प्लान आज कोकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर वाला प्लान पूरी तरह से फेल रहा और ये इसलिए हुआ क्योंकि दिल्ली पुलिस ने पुख्ता तैयारी की थी। सड़कों पर तो तैनाती थी ही, सर्विलांस रूम भी बनाए गए थे, जहां बैठकर चप्पे-चप्पे की निगरानी चल रही थी। जहां कहीं हलचल दिखती, तुरंत कमांड सेंटर से इसकी जानकारी दी जा रही थी और पुलिस फौरन एक्शन ले रही थी। उधर, दिल्ली में विपक्षी नेताओं की एहतिवातन हिरासत में लेने का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। इसको लेकर याचिका दायर की गई है, जिसकी सुनवाई रविवार को स्पेशल बेंच करेगी। जंतर-मंतर के आस-पास जिन इलाकों में 20 जुलाई को जबरदस्त हंगामा हुआ था, पत्थरबाजी हुई थी, लाठीचार्ज हुआ था, दोपहर से लेकर देर रात तक बवाल हुआ था, वो सारे इलाके आज सुनसान पड़े थे। दिल्ली पुलिस इस बार बिल्कुल क्लियर थी कि 20 जुलाई रिपीट नहीं होने देगी, इसलिए पूरा लुटियंस जोन आज कड़े पहरेदारी में रहा। कुछ प्रोटेस्टर्स जब जंतर-मंतर नहीं पहुंच पाए, तो संसद मार्ग, रफी मार्ग, अशोक रोड, रायसीना रोड, अकबर रोड, शाहजहां रोड सर्फिल की तरफ जमा होने लगे। लेकिन वहां भी दिल्ली पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए तैयार बैठी थी। कुछ ही मिनटों में ये सारे रास्ते खाली करा लिए गए।

खींच-खींचकर पुलिस वैन में ले जाए

काला सागर में ड्रोन की मार, भारत पर कितना असर? गेहूं, तेल और



काला सागर में ड्रोन की मार, भारत पर कितना असर? गेहूं, तेल और भारतीय नाविकों का क्या है कनेक्शन रूस और यूक्रेन की जंग अब सिर्फ जमीन पर लड़ी जाने वाली लड़ाई नहीं रह गई है। काला सागर में ड्रोन हमलों ने सैन्य ठिकानों के साथ-साथ व्यापारिक जहाजों और तेल टैंकरों को भी खतरे में डाल दिया है। इस समुद्र से दुनिया के कई देशों के लिए गेहूं, मक्का, तेल और खाद की सप्लाई होती है। हाल के हमलों में भारतीय नाविक भी प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सवाल है कि काला सागर में ऐसा क्या ख़ास है और यहां चल रही लड़ाई का असर अफ्रीका, एशिया और भारत तक कैसे पहुंच सकता है? आइए समझते हैं। काला सागर की स्थिति इतनी महत्वपूर्ण क्यों है? काला सागर यूरोप और एशिया के बीच स्थित एक बड़ा समुद्री क्षेत्र है। इसके किनारे रूस, यूक्रेन, तुर्किये, बुल्गारिया, रोमानिया और जॉर्जिया हैं। हालांकि इसका महत्व सिर्फ इन 6 देशों तक सीमित नहीं है। यहां से जाने वाला अनाज, तेल और दूसरी जरूरी चीजें हजारों किलोमीटर दूर अफ्रीका, मध्य पूर्व और एशिया के बाजारों तक पहुंचती हैं। इसलिए काला सागर में कोई बड़ी रुकावट पैदा होती है तो उसका असर दूर-दराज के देशों में खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों पर भी दिखाई दे सकता है। हां, सप्लाई में काला सागर की क्या भूमिका है?

काला सागर के बंदरगाहों से हर साल करोड़ों टन अनाज दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में भेजा जाता है। रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया के निर्यात होने वाले गेहूं का करीब एक चौथाई हिस्सा सप्लाई करते हैं। रूस दुनिया का सबसे बड़ा गेहूं निर्यातक है, जबकि यूक्रेन गेहूं और मक्का का बड़ा सप्लायर है। अगर इन समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही रुकती या धीमी होती है, तो मिस्र, बेरुत और नैरोबी जैसी जगहों में रोटी की कीमत बढ़ सकती है। इसका सबसे ज्यादा असर उन देशों पर पड़ता है जो खाने-पीने की चीजों के लिए आयात पर निर्भर हैं। तेल के लिए भी क्यों अहम है काला सागर? काला सागर रूस के तेल कारोबार का भी बड़ा केंद्र है। रूस के समुद्री टर्मिनलों से रोज करीब 10 लाख बैरल कच्चा तेल गुजरता है। नोबोरोसिस्क रूस का प्रमुख दक्षिणी तेल निर्यात केंद्र है। इसके पास कास्पियन पाइपलाइन कंसेंट्रियम का समुद्री टर्मिनल भी है, जो कजाखस्तान के तेल निर्यात का बड़ा हिस्सा संभालता है। इन टर्मिनलों से तेल की आवाजाही भी रुकावट आती है तो वैश्विक कच्चे तेल की कीमत पर असर पड़ सकता है। एशिया की रिफाइनरियों तक पहुंचने वाली सप्लाई भी इससे प्रभावित हो सकती है। काला सागर से बाहर निकलना मुश्किल क्यों है?

काला सागर की भौगोलिक स्थिति इसे और संवेदनशील बनाती है। यह सीधे खुले समुद्र से नहीं जुड़ा है। यहां से निकलने वाले जहाजों को तुर्किये के बोस्फोरस से गुजरना पड़ता है। इसके बाद ये मरमास सागर पार करते हैं और डार्डनेल्स से होकर भूमध्यसागर की ओर जाते हैं। इन जलडमरूमध्यों पर 1936 की मॉन्ट्रो कन्वेंशन लागू होती है। यही काला सागर को बाहरी दुनिया से

जोड़ने वाला समुद्री रास्ता है। इसलिए यहां संकट पैदा होने पर जहाजों के लिए कोई आसान वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध में काला सागर कैसे बना जंग का मैदान?

2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद काला सागर भी युद्ध का बड़ा मैदान बन गया। शुरुआत में यहां पारंपरिक नौसैनिक लड़ाई हुई। इसमें युद्धपोत, मिसाइल सिस्टम और समुद्री सुरंगों का इस्तेमाल हुआ। लेकिन यूक्रेन के पास रूस जैसी बड़ी पारंपरिक नौसेना नहीं थी। इसलिए उसने छोटे, सरते और दूर से नियंत्रित किए जा सकने वाले समुद्री ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाया। इन विस्फोटक ड्रोन ने रूस के लिए नई चुनौती पैदा कर दी और धीरे-धीरे काला सागर में युद्ध की रणनीति बदलने लगी। यूक्रेन के समुद्री ड्रोन से रूस को क्या नुकसान हुआ? यूक्रेन ने रूस के ऐतिहासिक नौसैनिक केंद्र सेवस्तोपोल के आसपास लगातार समुद्री ड्रोन हमले किए। इन हमलों के कारण रूसी नौसेना को अपने कई बड़े युद्धपोत पूर्व की ओर नोबोरोसिस्क ले जाने पड़े। यह सिर्फ सैन्य तैनाती में बदलाव नहीं था। नोबोरोसिस्क रूस का बड़ा व्यावसायिक केंद्र भी है। यहां से तेल और दूसरे महत्वपूर्ण सामान का कारोबार होता है। नतीजा यह हुआ कि जिस समुद्री क्षेत्र में रूसी युद्धपोत ड्रोन से बचने की कोशिश कर रहे थे, उसी क्षेत्र से तेल, खाद और गेहूं ले जाने वाले व्यापारी जहाज भी गुजर रहे थे। अब युद्ध का खतरा व्यापारी जहाजों तक कैसे पहुंच गया?

युद्ध शुरू होने के बाद से काला सागर में व्यापारी जहाजों को जोखिम रहा है, लेकिन अक्टूबर की शुरुआत में हालात ज्यादा गंभीर हो गए। अक्टूबर की शुरुआत में यूक्रेनी मक्का लेकर जा रहे तुर्किये के एक कार्गो जहाज को सीधे हमला झेलना पड़ा। जहाज रोमानिया के विशेष आर्थिक क्षेत्र में डूब गया और 2 नाविकों की मौत हो गई। इसके 48 घंटे बाद बुल्गारिया के जलक्षेत्र में 2 कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाया गया। यह नाटो के किसी सदस्य देश के समुद्री क्षेत्र में इस तरह के हमलों का पहला मामला था। इस हमले में एक जहाज डूब गया और 10 नाविक लापता हो गये। बुल्गारिया में हुए दूसरे हमले में भारतीयों के साथ क्या हुआ? बुल्गारिया के जलक्षेत्र में हमले का शिकार हुए दूसरे जहाज पर 18 चालक दल के सदस्य मौजूद थे। उन्हें बचा लिया गया। इनमें 7 भारतीय नाविक शामिल थे। यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय नागरिक दुनिया के समुद्री व्यापार में बड़ी संख्या में काम करते हैं। युद्ध क्षेत्र में बढ़ती असुरक्षा सीधे उनके जीवन को खतरे में डाल सकती है। लाल सागर और अदन की खाड़ी में ड्रोन तथा मिसाइल हमलों के बीच काम कर चुके भारतीय नाविक अब काला सागर में भी इसी तरह के जोखिम का सामना कर रहे हैं। (सोची के पास तेल टैंकर पर हमले से चिंता क्यों? इसके बाद रूस के पर्यटन शहर सोची के तट के पास लाइबेरिया के झंडे वाला कच्चे तेल का टैंकर 'अक्रामैक्स रियो' समुद्री ड्रोन की चपेट में आ गया। हमले के बाद जहाज के डेक पर भीषण आग लग गई। आपातकालीन टग बोट ने

आग बुझाने की कोशिश की और सभी 23 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और युद्ध के बीच की कड़ी को साफ कर दिया। जहाज लाइबेरिया के झंडे के नीचे था, उसके कू के सभी सदस्य भारतीय थे और वह रूसी तट से लदा कच्चा तेल ले जा रहा था। इस हमले की सबसे बड़ी ख़ास बात क्या थी? 'अक्रामैक्स रियो' पर हमला सक्रिय युद्ध की अग्रिम पंक्ति से सैकड़ों किलोमीटर दूर हुआ। इसका मतलब यह है कि खतरा सिर्फ उस जगह तक सीमित नहीं है जहां रूस और यूक्रेन की सेनाएं सीधे आमने-सामने हैं। समुद्री ड्रोन बहुत दूर तक पहुंचकर ऐसे जहाजों को भी निशाना बना सकते हैं जो युद्ध में सीधे शामिल नहीं हैं। किसी व्यापारी जहाज का झंडा किस देश का है, उसमें कौन सा सामान है और उसका चालक दल किस देश का है, इन सबके बावजूद समुद्र में भंडारा रहा ड्रोन उसे एक संभावित लक्ष्य बना सकता है। रूस और यूक्रेन जहाजों को निशाना क्यों बना रहे हैं?

रूस और यूक्रेन दोनों समुद्री सप्लाई लाइनों को युद्ध में रणनीतिक महत्व देते हैं। रूस यूक्रेन के डेन्यूब बंदरगाहों और तटीय भंडारण केंद्रों पर हमले करता है। रूस का दावा है कि इन जगहों पर हथियारों की सप्लाई होती है। दूसरी ओर, यूक्रेन तेल टैंकरों और ईंधन से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाता है। उसका उद्देश्य रूस की तेल से होने वाली कमाई को प्रभावित करना है, क्योंकि इसी आय से युद्ध के लिए संसाधन जुटाए जाते हैं। लेकिन इन हमलों के बीच सबसे ज्यादा जोखिम उन नागरिक नाविकों का है जिनका युद्ध से कोई सीधा संबंध काला सागर में जंग का जहाज, 'के किराए पर क्या असर पड़ता है? व्यापार के लिए समस्या केवल जहाज पर हमला होने से नहीं पैदा होती। खतरा बढ़ते ही समुद्री बीमा कंपनियां युद्ध जोखिम का प्रीमियम बढ़ा देती हैं। काला सागर में हर नए हमले के साथ जहाजों का बीमा महंगा हो सकता है। बुल्गारिया के नेतृत्व ने भी चेतावनी दी है कि बढ़ती बीमा लागत सामान्य व्यापारिक जहाजों के संचालन को मुश्किल बना रही है। इसके बाद जहाज मालिक ज्यादा जोखिम भरा मांगते हैं और माल ढुलाई का किराया बढ़ता है। बड़ी शिपिंग कंपनियां जोखिम वाले रास्तों से पीछे हट सकती हैं और इसके चलते पुराने जहाजों पर निर्भरता बढ़ सकती है। आखिर इस पूरे संकट का असर आम लोगों पर कैसे पड़ेगा?

समुद्र में बढ़ते जोखिम का असर आखिरकार आम लोगों की जेब तक पहुंच सकता है। जहाजों का बीमा और माल ढुलाई महंगी होने पर डीजल, तेल और आटे जैसी चीजों की कीमत बढ़ सकती है। अगर स्थिति इतनी खराब हो जाए कि कंपनियां काला सागर को प्रतिबंधित क्षेत्र मानने लगे, तो सप्लाई और महंगी हो जाएगी। अनाज को लेकर चिंता सबसे ज्यादा है। 28 सितंबर को न्यूयॉर्क में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आने वाले महीनों में बड़े खाद्य संकट की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि कुछ बड़े अनाज निर्यातकों को खासकर काला सागर के रास्ते माल भेजने में परेशानी हो सकती है।

निचला स्तर (52-सप्ताह का नया लो) छू लिया, जिससे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। कारोबार के अंत में बॉम्बे एक्सचेंज का 30 शेयर्स वाला सूचक एक अपरहाई संसेक्स 1,045.46 अंक या 1.44 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 71,593.24 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 371.25 अंक या 1.64 प्रतिशत टूटकर 22,231.80 पर सेटल हुआ। इंडो-डे ट्रेडिंग के दौरान निफ्टी फिसलकर 22,179.90 के स्तर तक चला गया था, जो इस साल का क्रूड ऑयल का झटका और ऊंची व्याज दरों का डरबाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, गिरावट (कफ़) के नतीजों पर टिकी है। मुंबई वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों, कच्चे तेल की कीमतों में आए उबाल और विदेशी निवेशकों (थ्रेड) की लगातार बिकवाली के चलते भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी कोहराम मच गया। चौतरफा बिकवाली के दबाव में वेंचमार्क इंडेक्स संसेक्स और निफ्टी ताश के पत्तों की तरह ढग गए। इस गिरावट के कारण एनएसई निफ्टी ने साल 2026 का अपना सबसे बड़ा बजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में ग्रेट क्रूड ऑयल की कीमतों में आया अचानक उछाल है। कच्चे तेल के दाम 4 फीसदी बढ़कर 104 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। क्रूड महंगा होने से देश में महंगाई बढ़ने और लंबे समय तक व्याज दरें ऊंची रहने की आशंका गहरा गई है, जिसने निवेशकों के सेंटिमेंट को भी तह

सुशांत सिंह राजपूत-रिया चक्रवर्ती केस से इस्पायर्ड थी मृणाल ठाकुर की फिल्म 'पूजा मेरी जान'? डायरेक्टर ने किया खुलासा

नवजोत गुलाटी की फिल्म 'पूजा मेरी जान' 2 अक्टूबर को जी5 पर स्ट्रीम हो रही है। इसमें मृणाल ठाकुर, हुमा कुरैशी और विक्रम सिंह चौहान अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म कई साल पहले ही पूरी हो गई थी, लेकिन किसी वजह से रिलीज नहीं हो पाई। आखिरकार यह 2 अक्टूबर को जी5 पर दस्तक दे दी। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद, कई लोगों को लगा कि शायद यह सुशांत सिंह राजपूत और रिया चक्रवर्ती केस से इस्पायर्ड है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, फिल्म की डायरेक्टर नवजोत गुलाटी ने बताया कि उनकी फिल्म 'पूजा मेरी जान' पर पड़ा है। हालांकि, फिल्ममेकर ने साफ किया कि सुशांत सिंह राजपूत केस की वजह से उन्होंने यह फिल्म नहीं लिखी थी। एक इंटरव्यू में फिल्ममेकर ने कहा, 'नहीं, क्योंकि मैंने फिल्म लिखना अप्रैल 2020 में शुरू किया था, जब सुशांत सिंह राजपूत जिंदा थे। फिर, जाहिर है, मैंने भी हम सब की तरह रोज रिया का मीडिया ट्रायल देखा और उसका साथ जो हो रहा था, उससे मैं इंसपार हुआ। उसके खिलाफ जो मुहिम चलाई गई, वह हर लेवल पर गलत था। उन्होंने आगे माना कि



रिया के साथ जो हुआ, उससे उन्हें प्रेरणा तो मिली, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि 'पूजा मेरी जान' लिखने के लिए वही एकमात्र वजह नहीं थी। गुलाटी ने कहा, 'अगर मैंने पहले से ही कुछ लिखा था और असल जिंदगी में ठीक वैसी ही घटना हो रही थी, तो जाहिर है कि मैं उससे कुछ न कुछ तो सीखता हूँ। यह फिल्म 2022 में पूरी हो गई थी और शुरू में इसके जियो सिनेमा पर किया कि सुशांत सिंह राजपूत केस की वजह से उन्होंने यह फिल्म नहीं लिखी थी। एक इंटरव्यू में फिल्ममेकर ने कहा, 'नहीं, क्योंकि मैंने फिल्म लिखना

अप्रैल 2020 में शुरू किया था, जब सुशांत सिंह राजपूत जिंदा थे। फिर, जाहिर है, मैंने भी हम सब की तरह रोज रिया का मीडिया ट्रायल देखा और उसके साथ जो हो रहा था, उससे मैं इंसपार हुआ। उसके खिलाफ जो मुहिम चलाई गई, वह हर लेवल पर गलत था। उन्होंने आगे माना कि रिया के साथ जो हुआ, उससे उन्हें प्रेरणा तो मिली, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि 'पूजा मेरी जान' लिखने के लिए वही एकमात्र वजह नहीं थी। गुलाटी ने कहा, 'अगर मैंने पहले से ही कुछ लिखा था और असल जिंदगी में ठीक वैसी ही घटना हो रही थी,

फैंस की डिमांड पर विजय सेतुपति की 'बत्था' की पहुंच बढ़ी, अब देशभर के 700 से अधिक सिनेमाघरों में देखें फिल्म



हैदराबाद: 1 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई विजय सेतुपति स्टारर फिल्म 'बत्था' को दर्शकों से लगातार सराहना मिल रही है। दर्शकों की बढ़ती मांग को देखते हुए, निर्माताओं ने अब फिल्म की सिनेमाघरों में पहुंच को विस्तार उत्तर भारत के प्रमुख बाजारों तक कर दिया है, जिनमें मुंबई, दिल्ली, लखनऊ, नोएडा और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। इसके साथ ही, देशभर के दर्शक अब इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देख सकते हैं। अपनी स्थिर थिएटरिकल रन को जारी रखते हुए, 'बत्था' फिलहाल देशभर के लगभग 700 सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। फिल्म की

दिलचस्प कहानी, दमदार अभिनय और निर्देशन के खास अंदाज ने दर्शकों से मिल रही उत्साहजनक प्रतिक्रिया में अहम योगदान दिया है। उत्तर भारतीय बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाकर, फिल्म का उद्देश्य अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंचाना और रिलीज के बाद से मिले उत्साह को आगे बढ़ाना है। 'बत्था' विजय सेतुपति और एटली की 'जवान' की सफलता के बाद एक बार फिर साथ भी लाती है। दमदार कहानी और व्यापक दर्शक अपील वाली फिल्मों को समर्थन देने के लिए पहचाने जाने वाले मुराद खेतानी ने धीरे-धीरे सिने 1 स्टूडियो को महत्वाकांक्षी और व्यावसायिक रूप

से प्रेरित सिनेमा से जुड़े एक प्रतिष्ठित बैनर के रूप में स्थापित किया है। 'बत्था' इस सफर में एक और कदम है, जो देशभर की प्रतिभाओं को एक साथ लाते हुए फिल्म को भाषाई सीमाओं से परे ले जाती है। विजय सेतुपति के मुख्य भूमिका में होने और साई अम्यंकर के संगीत के साथ, यह प्रोजेक्ट रचनात्मक प्रतिभाओं का एक प्रभावशाली संगम प्रस्तुत करता है। स्टूडियो 18 और एटली की पेशकश सिने 1 स्टूडियो और ए फॉर एम्पल स्टूडियो के बैनर तले निर्मित 'बत्था' के निर्माता आलोक जैन, अजीत अंधारे, मुराद खेतानी और

देहरादून फिल्म फेस्टिवल में सेलिब्रिटीज का जमावड़ा, युवाओं से शेयर किये एक्सपीरियंस

देहरादून में चल रहे 11वें देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन तुलाज यूनिवर्सिटी में सिनेमा और सितारों के नाम रहा। फिल्म और टीवी जगत के कई चर्चित कलाकारों ने विद्यार्थियों से सीधे बातचीत की और अपने फिल्मी सफर से जुड़े किस्से साझा किए। हितेन तेजवानी, गौरी प्रधान तेजवानी, मुकेश ऋषि, राजेश तैलांग, श्वेता त्रिपाठी, अर्जुन फिरोज खान, राजन मोदी और दीपक पाराशर ने अलग-अलग इंटरेक्टिव टॉक शो में हिस्सा लिया। **वर्ल्ड क्लब थ्रूट ऐजेंट्स** देहरादून फिल्म फेस्टिवल में हितेन तेजवानी (फोटो सोर्स: आयोजक) कलाकारों ने अपने काम और किरदारों की बातें कीं, वहीं युवाओं को यह भी बताया कि अपने पसंद के काम को आगे बढ़ाने के लिए लगातार कोशिश करते रहना कितना जरूरी है। कार्यक्रम में आगामी फिल्म 'मिसाल' का ट्रेलर भी दिखाया गया। राजीव एस. रुइया के निर्देशन में बनी यह फिल्म वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित है। **वर्ल्ड क्लब थ्रूट ऐजेंट्स** देहरादून फिल्म फेस्टिवल में मुकेश ऋषि (फोटो सोर्स: आयोजक) फिल्म और टीवी अभिनेता हितेन तेजवानी ने बातचीत के दौरान कहा



कि यह काम के अंतिम नतीजे को लेकर ज्यादा चिंता नहीं करते। उनके मुताबिक कलाकार का काम अपना 100 प्रतिशत देना है। आखिर में फैसला दर्शक करते हैं। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'पवित्र रिश्ता' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों से पहचान बनाने वाले हितेन ने फिल्म 'मिसाल' में अपने किरदार को भी अपने लिए अलग अनुभव बताया। उनकी पत्नी और अभिनेत्री गौरी प्रधान तेजवानी ने भी विद्यार्थियों से 'मिसाल' देखने की अपील की। **वर्ल्ड क्लब थ्रूट ऐजेंट्स** देहरादून फिल्म फेस्टिवल में मुकेश ऋषि (फोटो सोर्स: आयोजक) फिल्म और टीवी अभिनेता मुकेश ऋषि ने देहरादून से अपने पुराने रिश्ते को याद किया। उन्होंने बताया

यह कई बार देहरादून आ चुके हैं। यहां कुछ सीरीज में भी काम कर चुके हैं। चंडीगढ़ में पढ़ाई के दौरान अपनी रॉयल एनफील्ड से देहरादून आने के दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वह उनके लिए बेहद खूबसूरत समय था। **वर्ल्ड क्लब थ्रूट ऐजेंट्स** देहरादून फिल्म फेस्टिवल में जुटे सितारे (फोटो सोर्स: आयोजक) यहीं अर्जुन फिरोज खान ने 'महामारत' में अर्जुन का किरदार मिलने की कहानी सुनाकर छात्रों को चौंका दिया। उन्होंने बताया शुरुआत में उन्हें ऑडिशन से इसलिए बाहर कर दिया गया था क्योंकि रिफ्रैक्ट हिंदी में थी। उस समय वह हिंदी पढ़ नहीं पाते थे। बीआर. चोपड़ा ने उनमें

नई जोड़ियां, कमाल की केमिस्ट्री: रणबीर-साई और आयुष्मान-शरवरी समेत इन फिल्मों में दिखेंगे ये फ्रेश बॉलीवुड पेयर

हैदराबाद: जब दो कलाकार पहली बार एक साथ पर्दे पर नजर आते हैं, तो उसे देखने का उत्साह कुछ अलग ही होता है। कहानी से परे, एक नए तालमेल, अनोखी केमिस्ट्री और जाने-पहचाने कलाकारों को एक बिल्कुल नए अंदाज में देखने की उम्मीद ही किसी नई जोड़ी को खास बनाती है। बॉलीवुड की आने वाली फिल्मों की रोमांचक लिस्ट को देखते हुए, पर्दे पर बनने वाली कई नई जोड़ियों ने हमारा ध्यान खींचा है। दिलचस्प ड्रामे से लेकर रोमांस और नया कहानियां तक, आइए नजर डालते हैं उन जोड़ियों पर, जिन्हें हम बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। राजकुमार राव ने अपने हर किरदार में पूरी तरह डल जाने



की काबिलियत से लगातार दर्शकों को प्रभावित किया है। वहीं यमिका गंधी ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और खारा स्क्रीन प्रेजेंस के दम पर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। फिल्म प्रहार में इन दोनों का साथ

इसलिए क्योंकि दोनों ही अपने अभिनय में गहराई और तीव्रता लाने के लिए जाने जाते हैं। पहली बार साथ आ रही यह जोड़ी पर्दे पर एक नया तालमेल लेकर आने का वादा करती है। ऐसे में इनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री पर नजर रहेगी। प्रहार 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यामी गौतम और आदिनाथ एम. कोठारे दु नई नवेलीयामी गौतम अपने सहज अभिनय, संयमित अंदाज और स्वाभाविक स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। वहीं आदिनाथ एम. कोठारे इस जोड़ी में एक नई ताजगी लेकर आते हैं। नई नवेली में दोनों

'बाशा' और 'पेड़ा' के सीक्वल को कहा था छद्, जानें 'जेलर' के पार्ट 2 के लिए कैसे माने सुपरस्टार रजनीकांत?



हैदराबाद: रजनीकांत एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार हैं। उनकी हिट फिल्म जेलर का सीक्वल अगले हफ्ते सिनेमाघरों में आ रहा है। यह पहली बार है, जब रजनीकांत की किसी की फिल्म का सीक्वल आ रहा है। रजनीकांत सीक्वल में ज्यादा दिलचस्पी नहीं रखते हैं। इसलिए उन्होंने बाशा 2 और पेड़ा 2 के ऑफर को ठुकरा दिया था, लेकिन नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म जेलर ने उनके मन में एक ऐसा सवाल खड़ा कर दिया, जिसे वे नजर अंदाज नहीं कर सके। पहली फिल्म में टाइगर मुथुवेल पांडियन के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती खड़ी हो जाने के बाद, वह इस भूमिका से कैसे पीछे हट सकते थे? जेलर 2 के प्री-रिलीज इवेंट में, सुपरस्टार ने बताया कि उन्होंने सीक्वल में वापसी करने के लिए क्यों सहमति दी। यह सिर्फ 2023 की फिल्म की सफलता का नतीजा नहीं था। उन्हें लगा कि इसकी कहानी ने पहले ही एक नए अध्याय की नींव रख दी थी, जिसमें कई सवाल और खतरनाक किरदार मौजूद थे। रजनीकांत ने कहा, 'मैं आमतौर पर सीक्वल फिल्मों का शौकीन नहीं हूँ, क्योंकि मुझे लगता है कि वे पहले भाग को लेते हैं और उसमें थोड़ा और मसाला डालकर उसे एक और फिल्म में बदल देते हैं।'

उन्होंने याद किया कि उनसे बाशा 2 के लिए संपर्क किया गया था और कार्तिक सुब्बाराज की ओर से पेड़ा 2 का ऑफर भी आया था, जिसमें विजय सेतुपति के किरदार को और अधिक आगे बढ़ाया गया था। लेकिन दोनों ही विचार उन्हें पसंद नहीं आए जेलर 2 अलग क्यों लगी? ओटीटी पर रिलीज होने के बाद 'जेलर' फिल्म को दोबारा देखने से रजनीकांत का मन बदल गया। फिल्म के क्लाइमैक्स की ओर इशारा करते हुए, 'वर्मा चेता, मैं देता है कि उसके पीछे एक बहुत बड़ा नेटवर्क है और उसका आदमी जेलर को बिना चुनौती के नहीं जाने देंगे', रजनीकांत ने कहा, 'जेलर के फिल्टरों में देखी, अंत में, जब मैं वर्मा के किरदार को खत्म करने वाला था, तो वह कहता है कि एक बड़ा नेटवर्क है और वे उसे भी नहीं बर्खास्त देंगे। इसलिए यह कहानी सीक्वल के लिए एकदम सही थी। नेल्सन ने फिल्म में वर्मा के रुबते के बारे में चुपके से सुराग छोड़े थे, उनके अंत, रंराष्ट्रीय व्यापारिक संबंध इतने मजबूत थे कि पुलिस भी उनसे डरती थी और फिर जेलर के पास मौजूद हजारों करोड़ रुपये के तीन कंटेनर भी थे, यकीनन, गिराह इसे यूं ही जाने नहीं देगा। रजनीकांत ने कहा, तो कहानी की बुनियाद एकदम सही

है और आगे बताया कि जेलर को नागपुर जेल में मौजूद ताकतवर अपराधियों और डॉन का साथ भी मिला है। अभिनेता के लिए, इन डिटेल्स ने सीक्वल को एक स्वाभाविक शुरुआत दी, न कि इसे पहली फिल्म की सफलता का फायदा उठाने के लिए बनाई गई एक विस्तार फिल्म जैसा महसूस कराया। उन्होंने कहा, 'इसीलिए मैंने नेल्सन को फोन किया था। टाइगर मुथुवेल पांडियन के लिए आगे क्या है? नेल्सन द्वारा लिखित और निर्देशित, जेलर 2 का निर्माण कलानिधि मारन ने सन पिक्चर्स बैनर के तहत किया है और यह फिल्म 15 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। रजनीकांत टाइगर मुथुवेल पांडियन के रूप में वापसी कर रहे हैं, उनके साथ राम्या कृष्णन, योगी बाबू, मिर्ना और ऋतिक भी हैं। इस सीक्वल में एसजे सूर्या, मिथुन चक्रवर्ती, सूरज वेंजारागुडु, विद्या बालन, अन्ना राजन और जतिन सरना जैसे नए कलाकार भी शामिल हैं। मोहनलाल, शिव राजकुमार और जैकी श्रॉफ के भी कैमियो रोल में वापसी करने की उम्मीद है। ट्रेलर ने एक और संभावित उपस्थिति को लेकर अटकलों को हवा दी है, प्रशंसक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या ऋतिक रोशन भी इसमें शामिल हो सकते हैं, क्योंकि